हरिभूमि
रायपुर भूमि

पहले भी सामने आ चुका है मामला

नाव और पनडुब्बी मशीन से नदी से रेत निकालने का यह दूसरा मामला है। इससे पहले आरंग क्षेत्र के गौरघाट में नाव की मदद से पनडुब्बी मशीन लगाकर नदी से रेत निकालने का काम माफिया के लोगों द्वारा किया जा रहा था। विभाग की टीम ने इसकी सूचना पर कार्रवाई भी की थी। टीम ने नदी में उतरे एक नाव तथा 20-25 मीटर लंबा पीवीसी पाइप भी जब्त किया था। इस पाइप के जरिए ही नदी से रेत निकालने का काम किया जा रहा था।

रेत माफिया बेलगाम, नदी में नाव एवं पनडुब्बी मशीन से करने लगे चोरी, अफसर पहुंचे तो नदी में बहाया सिस्टम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

रायपुर जिले में रेत माफिया अब बेलगाम हो चुके हैं। माफिया को न ही प्रशासन का खौफ है और न ही कार्रवाई का। देशभर में रेत उत्खनन पर 15 जून से 10 अक्टूबर तक प्रतिबंध लगा हुआ है, वहीं अच्छी बारिश होने से

नदियों का जल स्तर भी काफी बढ़ा हुआ है। ऐसे में नदियों में रेत उत्खनन करना आसान भी नहीं है, लेकिन जिले के रेत माफिया के हौसले इतने बुलंद हैं कि नाव से नदी में उतरकर विशाल पनडुब्बी मशीनों से रेत का उत्खनन कराया जा रहा है। ऐसा ही एक मामला अभनपुर के ग्राम सेमरा में सामने आया है, ⏭शेष पेज 18 पर

निरीक्षण करने सिपाहियों को भेजा गया

सेमरा गांव में पनडुब्बी मशीन से रेत चोरी जैसे गंभीर मामले में भी निरीक्षण करने विभाग के कुछ सिपाहियों को भेजा गया था, जबकि इसकी सूचना क्षेत्र के इंस्पेक्टर को भी दी गई थी। हरिभूमि ने जब मौके पर पहुंचे संबंधित एक सिपाही से बातचीत की, तो नाम नहीं छापने की शर्त पर उसने बताया कि उनके साहब मौके पर नहीं पहुंचे हैं। इससे पता चलता है कि इंस्पेक्टर अपनी ड्यूटी के प्रति कितने सजग है। यही कारण है कि जिले के कई खदानों में नदी का जल स्तर बढ़ा होने के बाद भी रेत की चोरी धड़ल्ले से की जा रही है।

स्पॉट पर तैरते मिले पाइप

ग्राम सेमरा में नदी से पनडुब्बी मशीन से रेत चोरी की शिकायत मिली थी। मौके पर पहुंचे तब तक सभी मजदूर भाग गए थे। नदी में कुछ पाइप तैरते मिले, जिसे भागने से पहले मजदूरों ने बहा दिए थे।

- **अशोक कुमार जंघेल,** नायब तहसीलदार

श्री शंकराचार्य
कॉलेज ऑफ नर्सिंग
हुडको, भिलाई (छ.ग.)
(2005 से संचालित)
नर्सिंग
B.Sc(N)
M.Sc.(N) | P.B.B.Sc.(N)
7489713804, 7869513804
For Online Admission
Visit : www.sscnbhilai.com

छ.ग. के सभी शासकीय ITI में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन
cgiti.cgstate.gov.in
बी.एम. आई.टी.आई.
कोपा
इलेक्ट्रिशियन
हेल्थ सेनेटरी इंस्पेक्टर
डीजल मैकेनिक
फायर टेक्नालॉजी
स्टेनो हिन्दी
गोकुल नगर, पुलगांव, दुर्ग
8770638793, 9340311314
9303893829, 9300850065
अंतिम तिथि-08/09/24

खबर संक्षेप

सप्ताहभर पहले चोरी पकड़े गए दो बदमाश

रायपुर। गुढ़ियारी थाना क्षेत्र के रामनगर में एक सप्ताह पूर्व सूने मकान से सोने-चांदी के जेवर, नकदी तथा कार चोरी करने के आरोप में पुलिस ने दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है। घटना में शामिल दो अन्य बदमाश फरार हैं। पुलिस के मुताबिक, मंजूलता पाटस्कर के घर में चोरी करने के आरोप में खमतराई निवासी गजेंद्र साहू उर्फ पप्पू तथा राकेश देवदास को गिरफ्तार किया है। दोनों बदमाशों के खिलाफ खमतराई थाने में हत्या की कोशिश सहित कई आपराधिक मामले दर्ज हैं।

एक्सीडेंट में घायल उपचार के दौरान मौत

रायपुर। कबीर नगर थाना क्षेत्र में अज्ञात ट्रक की चपेट में आकर गंभीर रूप से घायल एक व्यक्ति की एम्स में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। पुलिस के मुताबिक, कबीर नगर निवासी रवि वर्मा की अज्ञात ट्रक की चपेट में आने से मौत हुई है। रवि गुरुवार को अपनी बाइक से जा रहा था, रिंगरोड नंबर 2 पर लोहा बाजार के पास अज्ञात ट्रक ने रवि की बाइक को ठोकर मार दी। गंभीर रूप से घायल रवि को उपचार के लिए एम्स अस्पताल में दाखिल कराया गया, जहां उसकी उपचार के दौरान मौत हो गई।

नशीली टेबलेट जब्त विक्रेता गिरफ्तार

रायपुर। कबीर नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर एक व्यक्ति के कब्जे से 13 हजार रुपए से ज्यादा कीमत की प्रतिबंधित नशीली टेबलेट जब्त की है। वीर सावरकर नगर निवासी हरकीरत सिंह के कब्जे से प्रतिबंधित टेबलेट जब्त की गई है। हरकीरत प्रतिबंधित टेबलेट बेचने का अवैध कारोबार कर रहा था।

प्रतिमा खंडित करने के आरोप में पुलिस ने दो बदमाशों को किया गिरफ्तार

नशेड़ियों ने गणेश प्रतिमा खंडित की, हिंदू संगठनों का तड़के चार बजे तक थाने में हंगामा, दो अरेस्ट

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

आजाद चौक थाना क्षेत्र में शुक्रवार को गणेश प्रतिमा खंडित करने के विवाद पर जमकर हंगामा हुआ। प्रतिमा खंडित करने से आक्रोषित हिंदू संगठन से जुड़े लोगों ने तड़के चार बजे तक थाने का घेराव कर प्रतिमा खंडित करने वाले आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग करते रहे। किसी भी तरह की अप्रिय स्थिति से निपटने लाखेनगर से आजाद चौक थाने तक पुरानी बस्ती सहित कई अन्य थानों के पुलिसबल तैनात किए गए। प्रतिमा खंडित करने के आरोप में पुलिस ने दो लड़कों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश कर जेल दाखिल किया है।

पुलिस के मुताबिक प्रतिमा खंडित करने के आरोप में ईदगाह भाठा निवासी शेख जाफर उर्फ झोल्टू तथा शेख जाकिर को गिरफ्तार किया गया है। गौतम नगर स्थित ठाकुर प्यारेलाल स्थित जय श्री राम गणेशोत्सव समिति से जुड़े सदस्यों के मुताबिक शुक्रवार को उनकी समिति मूर्तिकार से गणेश प्रतिमा लाने के बाद पंडाल में डेकोरेशन का कार्य कर रही थी। इसी दौरान शेख जाफर गणेश पंडाल में जहां प्रतिमा स्थापित होना है, वहां नशे की हालत में आकर बैठ गया और अपने साथियों के साथ जुआ खेलने लगा। पंडाल में जुआ खेलने से मना करने पर शेख जाफर आक्रोषित हो गया और पंडाल में लात मारने के साथ मूर्ति को खंडित कर मौके से फरार हो गया।

हंगामे की वजह से पूरी रात सहमे रहे क्षेत्रवासी

पूरी रात सहमे रहे क्षेत्रवासी

प्रतिमा खंडित करने वालों के खिलाफ कार्रवाई की मांग को लेकर थाना के सामने प्रदर्शन करने वाले प्रदर्शनकारियों ने आजाद चौक थाना से लेकर लाखेनगर तक आरोपियों के खिलाफ घूम घूमकर कार्रवाई की मांग को लेकर जमकर नारेबाजी की। प्रदर्शनकारी तथा पुलिसबल को देख स्थानीय रहवासी किसी तरह की अनहोनी होने की आशंका में पूरी रात सहमे रहे। प्रतिमा खंडित करने वाले बदमाशों की गिरफ्तारी के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

जानकारी मिलने के बाद देर रात हंगामा

गणेशोत्सव समिति से जुड़े लोगों के मुताबिक प्रतिमा खंडित होने की घटना रात 10 बजे के करीब हुई है। इसके बाद गणेशोत्सव समिति से जुड़े लोगों ने थाना पहुंचकर पुलिस को घटना की जानकारी दी। पुलिस द्वारा किसी भी तरह की कार्रवाई नहीं किए जाने की वजह से समिति से जुड़े लोगों ने घटना की जानकारी हिंदू संगठन से जुड़े लोगों को दी। इसके बाद धीरे-धीरे कर हिंदू संगठन से जुड़े लोग एकत्रित होने लगे। इसके बाद गणेशोत्सव समिति से जुड़े लोगों के साथ हिंदू संगठन से जुड़े लोगों ने थाना पहुंचकर प्रदर्शन कर नारेबाजी की।

प्रतीकात्मक रूप से रखेंगे प्रतिमा

गणेशोत्सव समिति से जुड़े सदस्यों के मुताबिक बदमाश ने गणेश प्रतिमा के निचले हिस्से को खंडित किया है। इसके लिए मूर्ति को ठीक करने मूर्तिकार को बुलाया गया है। समिति के सदस्यों के अनुसार बदमाश ने जिस प्रतिमा को खंडित किया है, उसे पंडाल में प्रतीकात्मक रूप से विराजित किया जाएगा। बदले में एक छोटी गणेश प्रतिमा लाकर प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी।

प्रतिमा स्थापना में सभी वर्ग की भागीदारी

गणेशोत्सव समिति से जुड़े लोगों के मुताबिक जिन लोगों ने प्रतिमा खंडित की है, उन्हीं के वर्ग के लोग गणेश स्थापना से लेकर दुर्गा प्रतिमा स्थापना में बढ़ चढ़कर हिस्सा लेते हैं। समिति के सदस्यों के अनुसार शेख जाफर तथा उसका साथी पूर्व में गणेश प्रतिमा स्थापना में शामिल होते आए हैं।

डीकेएस का प्लांट दो साल से बंद, सिलेंडर के ऑक्सीजन से गंभीर मरीज ले रहे सांसें

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जियोलाइट नामक पार्ट्स नहीं मिलने की वजह से पिछले दो साल से डीके अस्पताल का ऑक्सीजन प्लांट बंद पड़ा है।

- कंपनी ने लगाई कम क्षमता की जियोलाइट, कार्रवाई की तैयारी

यहां भर्ती होने वाले गंभीर मरीजों की ऑक्सीजन की जरूरत अस्पताल प्रबंधन दूसरी कंपनी से सिलेंडर खरीदकर पूरी कर रहा है। पूरी राशि का भुगतान होने के बाद भी संबंधित कंपनी ने कम क्षमता वाला पार्ट्स लगाया, जिसकी वजह से वह काम नहीं कर पा रहा है। इस लापरवाही ⏭शेष पेज 18 पर

हर माह 15 लाख खर्च

सूत्रों के अनुसार प्लांट बंद होने की वजह से डीके अस्पताल में भर्ती होने वाले मरीजों को ऑक्सीजन की सप्लाई सिलेंडर की मदद से की जा रही है। सूत्रों के अनुसार इस पर अस्पताल हर महीने करीब 15 लाख रुपए खर्च कर रहा है। पिछले दो साल से यह सिलसिला जारी है जिसकी वजह से एक बड़ी राशि इस पर खर्च की जा चुकी है।

कार्रवाई के निर्देश दिए

इस मामले की जानकारी मिलने के बाद संबंधित अधिकारियों को जांच कर मामले की वास्तविकता का पता लगाने कहा गया है। कंपनी द्वारा मामले में गड़बड़ी की गई है तो उस पर आवश्यक कार्रवाही के निर्देश भी दिए गए हैं।

- **श्याम बिहारी जायसवाल,** स्वास्थ्य मंत्री

मच्छरों की ब्रीडिंग का सीजन, डेंगू, मलेरिया फैलने का खतरा, निगम के पास एक मशीन, वो भी वीआईपी के लिए रिजर्व

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर में मच्छरों के पनपने का सीजन शुरू होने के बाद भी नगर निगम का स्वास्थ्य अमला फागिंग और एंटी लार्वा अभियान को लेकर गंभीर नहीं है। मच्छरों से राहत देने के लिए

- बस नाम की हो रही फागिंग, पार्षदों ने कहा कोई नहीं आता

धुंआ छोड़ने वाली इक लौती मशीन एक अरसे से शहर से नदारद है। अधिकारियो का कहना है, वीआईपी इलाकों व खास तरह के बड़े आयोजन के लिए इसे सुरक्षित रखा गया है। वहीं दूसरी बड़ी मशीन खराब पड़ी है, सालों से मरम्मत नहीं कराने के कारण यह कंडम होने के कगार पर है। हाथ चलित फागिंग ⏭शेष पेज 18 पर

अच्छी नहीं है स्थिति : रोहित साहू

नेताजी सुभाषचंद्र बोस वार्ड पार्षद रोहित साहू ने बताया कि 7 वार्ड के लिए मात्र एक हाथ से चलने वाली मशीन है। बड़ा

एरिया है कैसे कवर होगा? खम्हारडीह, तुलसीनगर, पावर्तीनगर शिव नगर में स्थिति अच्छी नहीं है। शिवनगर में तालाब के पीछे सफाई नहीं हो रही है। ऐसे में निगम प्रशासन ने यदि समय रहते ठोस कदम नहीं उठाया तो मच्छरों से मलेरिया व डेंगू फैलते देर नहीं लगेगी।

बोल के थक गए : जितेंद्र अग्रवाल

महापौर एजाज ढेबर के परिषद के सदस्य एवं महंत लक्ष्मीनारायण दास वार्ड पार्षद जितेंद्र अग्रवाल का कहना है पुरानी बस्ती, बंधवापारा, ठेठवारपारा गोवर्धन चौक, टूरी हटरी इलाका में फागिंग कराने जोन 5 के अधिकारी को बोल-बोल के थक गये पर फागिंग नहीं करा रहे। नालियों की नियमित सफाई नही होने से मच्छरों का प्रकोप बढ़ रहा है। एरिया बड़ा है निगम वाले कवर नहीं कर पा रहे।

फ्लैट बेचने के नाम पर ठगे 20 लाख, बिल्डर पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

टिकरापारा थाने में एक व्यक्ति ने एक बिल्डर के खिलाफ फ्लैट बेचने का झांसा देकर 20 लाख रुपए ठगी करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। बिल्डर के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज कराने वाले ने पुलिस को बताया कि बिल्डर ने उसके पास वर्ष 2015 में फ्लैट बेचने का झांसा देकर रकम ले ली, उसके बाद फ्लैट नहीं देकर

- झांसा देकर रकम ले ली, फ्लैट नहीं दिया

ठगी की है। जिस बिल्डर के खिलाफ ठगी की शिकायत दर्ज की गई है, उसके खिलाफ पूर्व में भी शिकायतें दर्ज हैं।

पुलिस के मुताबिक, न्यू राजेंद्र नगर निवासी उमेश कुमार श्रेष्ठ की शिकायत पर खुदीराम खुंदनानी के खिलाफ अपराध दर्ज किया गया है। उमेश ने पुलिस को बताया कि खुदीराम आरएस ड्रीमलैंड प्रॉपर्टी के डायरेक्टर हैं। उसने उसके पास वर्ष 2015 में देवपुरी में अपने एक प्रोजेक्ट में फ्लैट बेचने एग्रीमेंट किया। एग्रीमेंट के मुताबिक वर्ष 2020 में फ्लैट बनाकर देने थे, लेकिन तय समयसीमा के बाद फ्लैट नहीं मिलने पर उमेश ने खुदीराम से अपने पैसे वापस मांगे तो खुदीराम उमेश को पैसे वापस लौटाने टाल मटोल करने लगा। इससे आहत होकर उमेश ने खुदीराम के खिलाफ थाने में ठगी की शिकायत दर्ज कराई।

दोपहर गरजते रहे बादल, बारिश शहर के कुछ इलाकों में, 33 डिग्री पहुंचा तापमान

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दोपहर शहर में बादल काफी देर तक गरजते रहे। इस दौरान बारिश कुछ इलाकों में सीमित रह गई। पानी नहीं गिरने की वजह से दोपहर को शहर का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शहर समेत मध्य इलाके में अगले दो दिन

- मध्य में दो दिन संभावना फिर गतिविधि बस्तर में सीमित

ही बारिश की संभावना है, इसके बाद गतिविधि बस्तर में सिमटने के आसार हैं। मौसम विशेषज्ञों का मानना है कि मानसूनी सीजन धीमे-धीमे ढलते क्रम की ओर जाने लगा है, जिसकी ⏭शेष पेज 18 पर

मानसून द्रोणिका पेंड्रा के ऊपर

मौसम विशेषज्ञों के अनुसार अभी मानसून द्रोणिका माध्य समुद्र तल से बीकानेर पेंड्रा रोड के बाद दक्षिण-पूर्व बंगाल की खाड़ी तक स्थित है। एक निम्न दाब का क्षेत्र खाड़ी में मौजूद है जिसके स्वरूप में परिवर्तन के साथ आगे बढ़कर तीन से चार दिनों में उत्तर ओडिशा, झारखंड तथा उत्तर छत्तीसगढ़ पहुंचने की संभावना बन रही है।

वंदे भारत से अधिक जोन की प्रीमियम ट्रेनों की कमाई

वंदे भारत की जितनी आय नहीं उससे अधिक चलाने में हो रहा रेलवे का खर्च

वंदेभारत चलने में फास्ट, यात्रियों के लिए फुस्स, रोजाना 200 सीटें खाली !

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे को दुर्ग से विशासपट्नम के लिए दूसरी वंदेभारत की सौगात जल्द ही मिलने वाली है। इससे सफर आसान होगा और यात्रियों की सुविधा बढ़ेगी। दूसरी तरफ बिलासपुर और नागपुर के बीच चलने वाली सेमी हाईस्पीड ट्रेन वंदे भारत एक्सप्रेस के परिचालन को लगभग दो साल होने को हैं, लेकिन अब भी यह ट्रेन यात्रियों के लिए प्राथमिकता नहीं बनी पाई है। यही वजह है कि ट्रेन की सीट रोजाना 100 से 200 के बीच रोजाना खाली रहती हैं। इस ट्रेन के मेंटेनेंस ⏭शेष पेज 18 पर

- त्योहारी सीजन में ही वंदेभारत को अधिक प्राथमिकता, सामान्य दिनों में खाली रह जाती हैं यात्री सीट

सीसी कोच में 100 सीट हर दिन खाली

वंदे भारत एक्सप्रेस पहले 16 कोच के साथ चलती थी, लेकिन यात्री कम होने से अब यह ट्रेन 8 कोच के साथ चलती है। बिलासपुर से नागपुर के बीच सीसी कोच में 380 से अधिक सीट है, वहीं ईसी कोच में 36 सीटे हैं। प्रतिदिन सीसी कोच में बिलासपुर से नागपुर के बीच 380 में 180 सीट ही भर पाती है। 150 से अधिक सीटें हर दिन खाली रहती हैं। इसके अलावा 36 ईसी कोच में केवल 15 सीट में यात्री बैठे नजर आते हैं।

सामान्य दिनों में 60 प्रतिशत सीटें ही भर पा रहीं

रेलवे के जानकारों के मुताबिक बिलासपुर-नागपुर वंदे भारत को चलाने का खर्च सालभर में लगभग 40 करोड़ है, लेकिन इस ट्रेन से रेलवे को कुल आय लगभग 25 करोड़ ही हुई है। त्योहार के सीजन में ही वंदे भारत में यात्री अधिक मिलते हैं। सामान्य दिनों 60 प्रतिशत सीटें ही भर पा रही हैं। इसके अलावा हमसफर और राजधानी एक्सप्रेस को चलाने का खर्च 60 करोड़ तक है, लेकिन कमाई वंदे भारत से तीन गुना अधिक है। वंदे भारत में कोच कम करने और स्टॉपेज बढ़ाने के बाद भी कमाई नहीं बढ़ी है। रेलवे के अधिकारियों का कहना है कि यात्री ट्रेनों का संचालन मुनाफे के लिए नहीं किया जाता।

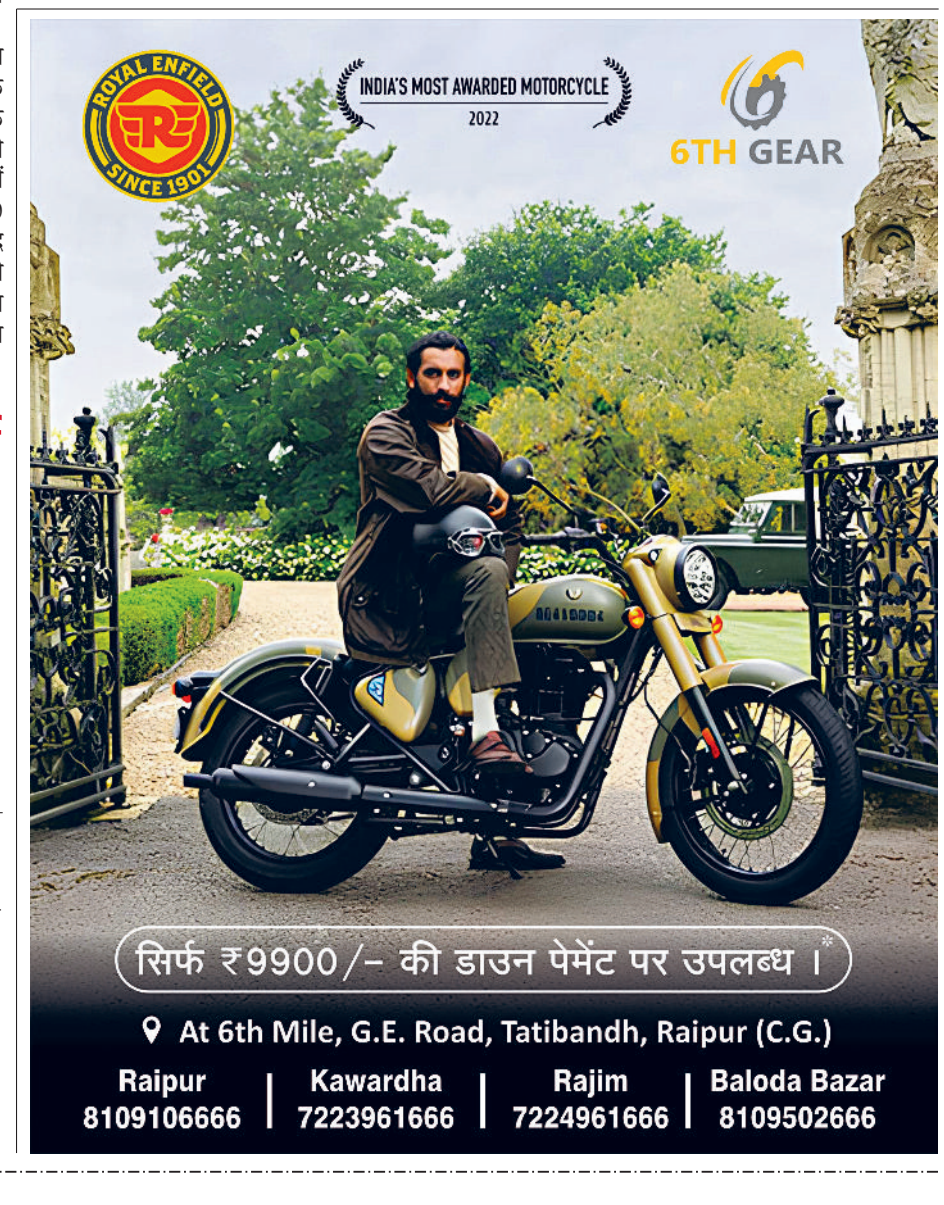

जय माँ समलाई
Nuakhai Festival
नुआखाई जुहार
गणेश चतुर्थी
की शुभकामनाएं
नुआखाई जुहार
श्रीमति सावित्री जगत
प्रदेश अध्यक्ष - उत्कल गाड़ा महिला महामंच
sumit

निधन

भोलानाथ जायसवाल

रायपुर। लाखेनगर निवासी भोलानाथ जायसवाल का 7 सितंबर को निधन हो गया। उनकी

अंतिम यात्रा 8 सितंबर को दोपहर 1 बजे उनके निवास स्थान से महादेव घाट श्मशानघाट के लिए निकलेगी। वे प्रवीण जायसवाल, नवीन जायसवाल के पिता और गुलाब, राजकुमार, बलराम, रामजी, लालजी जायसवाल के भाई थे।

वंदना दुबे

रायपुर। फाफाडीह रमण मंदिर निवासी वंदना दुबे का 4 सितंबर को निधन हो गया।

उनका अंतिम संस्कार 5 सितंबर को को जयपुर में किया गया। वे मनीष दुबे की पत्नी, आशीष दुबे की बहू एवं गिरीश दुबे, राजेश दुबे, भावेश दुबे, बृजेश दुबे की भाभी और संजोई, अनुवंशिका की माता थीं।

कुलेश्वर सिंह कश्यप

रायपुर। ग्राम कुंडा टेकारी निवासी कुलेश्वर सिंह कश्यप (63) का 6 सितंबर को अवधपुरी भिलाई रिसाली में निधन हो गया।

उनका अंतिम संस्कार रिसाली मुक्तिधाम में किया गया। वे जितेश कश्यप और वीणा वर्मा के पिता थे।

जया अग्रवाल

रायपुर। देवेंद्र नगर निवासी जया अग्रवाल (61) का 7 सितंबर को निधन हो गया। उनका अंतिम संस्कार मारवाड़ी श्मशानघाट में किया गया। वे महेश अग्रवाल की पत्नी और आशीष अग्रवाल की माता थीं।

शुद्ध हवा वाले शहर में रायपुर को देश में 12वां रैंक, 1 साल में 4 पायदान उछला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी रायपुर के रहवासियों और यहां आने-जाने वालों के लिए एक राहत भरी खबर है पिछले साल के मुकाबले इस साल शहर की आबोहवा में शुद्धता बढ़ी है। ऐसा नगर निगम निगम नहीं, बल्कि केन्द्र सरकार के इस साल के वायु सर्वेक्षण के नतीजे बता रहे हैं। 10 लाख से अधिक आबादी वाले देश के 130 शहरों में स्वच्छ वायु सर्वेक्षण कराया गया। इसमें अलग-अलग मापदंडों पर जांच के नतीजे केन्द्र ने शनिवार को घोषित किये हैं। रायपुर को इन 130 शहरों में 12वीं रैंकिंग मिली है। गत वर्ष की तुलना में शहर की रैंकिंग 4 अंक सुधरी है। पिछली बार वायु सर्वेक्षण में रायपुर को 16वां रैंक मिला था।

अलग खबर

केन्द्रीय पर्यावरण वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने देशभर के 130 शहरों, जिनमें 47 की आबादी 10 लाख से ज्यादा है, उन सभी शहरों में हवा के शुद्धता की जांच करवाई थी। रायपुर को 10 लाख से अधिक आबादी वाले शहर में रखा गया। नतीजे के मुताबिक रायपुर को 177.5 अंक मिले हैं। इस तरह पिछले साल के मुकाबले रैंकिंग 4 पायदान उछली है। अचंभे वाली बात ये है कि जितने भी शहरों का सर्वे हुआ, किसी को भी पूरे अंक नहीं मिले हैं।

महापौर, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष, निगम आयुक्त ने दी बधाई : महापौर एजाज ढेबर, स्वास्थ्य विभाग अध्यक्ष नागभूषण राव और निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा ने रायपुर शहर की आबो-हवा में शुद्धता बढ़ने पर शहरवासियों को बधाई दी है।

केन्द्र सरकार ने स्वच्छ वायु सर्वेक्षण के लिए नतीजे घोषित किये

गुजरात का सूरत शहर अव्वल, जबलपुर दूसरे स्थान पर

स्वच्छ वायु सर्वेक्षण 2024 के जारी नतीजे में सेकंड कैटेगरी वाले शहर में गुजरात के सूरत शहर वायु में शुद्धता के मामले में अव्वल रहा। इस शहर को पुरस्कार स्वरूप 1.50 करोड़ का नकद पुरस्कार मिलेगा। इसी तरह मध्यप्रदेश का जबलपुर शहर दूसरे स्थान पर रहा उसे 1 करोड़ का नकद पुरस्कार और तीसरे स्थान पर उत्तरप्रदेश का आगरा शहर रहा, इसे इनाम के रूप में 50 लाख रुपये नकद राशि प्राप्त होगी।

देश के 130 बड़े शहरों में हवा की कराई गई जांच

गुजरात का सूरत शहर नंबर वन पर

इन मापदंडों पर मूल्यांकन

- बायोमास और म्यूनिसिपल वेस्ट बर्निंग
- रोड डस्ट , सीएनडी वेस्ट की डस्ट
- वाहनों का प्रदूषण, औद्योगिक प्रदूषण, अन्य प्रदूषण
- हवा में महीन धूल पीएम 10 कंसट्रेशन

मुक्कड़ फ्री सिटी बनने में अभी लगेगा समय

एक तरफ सफाई में नंबर वन बनने की बेताबी दूसरी ओर मुंह चिढ़ा रहे दो दर्जन मुक्कड़

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

देश के 100 स्मार्ट सिटी में शामिल रायपुर शहर अब तक मुक्कड़ मुक्त नहीं हो पाया। एक तरफ जहां निगम प्रशासन और शहरी सरकार ने स्वच्छता सर्वेक्षण में रायपुर शहर को देश का नंबर वन स्वच्छ शहर बनाने का दावा कर अमले को सफाई में झोंक दिया है, वहीं निगम अफसरों को मुंह चिढ़ाते शहरभर में 2 दर्जन मुक्कड़ ऐसे हैं, जहां रोजाना बड़ी मात्रा में धड़ल्ले से कूड़ा-करकट फेंका जा रहा है। ऐसे में देश के टॉप टेन स्वच्छ शहर में रायपुर शहर की रैंकिंग लाने का दावा बेमानी लग रहा है। सबसे ज्यादा मुक्कड़ नगर निगम जोन 2 क्षेत्र में चिन्हांकित हैं।

शहर में इन जगहों पर मुक्कड़

स्वास्थ्य विभाग ने नगर निगम के दस जोन क्षेत्रों में 23 जगहों को मुक्कड़ के रूप में चिन्हांकित कर रखा है। जहां डोर-टू डोर कचरा कलेक्शन के बाद भी लोग कूड़ा करकट बेहिचक फेंक रहे हैं। इन जगहों को कचरा मुक्त करने निगम प्रशासन ने अब तक कोई ठोस योजना नहीं बना पाया। नतीजतन शहर के प्रमुख इलाकों में कचरों के दुर्गन्ध से लोगों को राहत नहीं मिल पाई है।

जोन 1
- यतियतन लाल वार्ड - गंगा नगर तालाब के किनारे
- विजय नगर मोड़ के पास भनपुरी
- विजय नगर कोयलापारा ।

जोन 2
- इंदिरागांधी वार्ड - आरडीए बिल्डिंग
- फूल चौक के पास वाला मुक्कड़
- हवलदार अब्दुल हमीद वार्ड - गुरुनानक चौक के पास गुरुमुख मुक्कड़
- राजीव गांधी वार्ड - सेक्टर 3 रामदेव प्रोविजन स्टोर के पास, रामदेव मुक्कड़
- शहीद हेमू कालाणी वार्ड - सेक्टर 5 देवेंद्र नगर मोदी बंगला के पीछे

जोन 4
- स्वामी विवेकानंद- सदर वार्ड - नवीन मार्केट फूलचौक
- मौलाना अब्दुल रउफ वार्ड - शास्त्री बाजार बजाज नाला के पास वाला मुक्कड़
- नगर घड़ी चौक के पास

जोन 5
- ठाकुर प्यारेलाल वार्ड - लाखेनगर ईदगाह भाठा के पास

जोन 6
- शहीद पंकज विक्रम वार्ड - सूर्य विहार
- शहीद चंद्रशेखर आजाद वार्ड - तरूण बाजार संतोषीनगर के पास वाला मुक्कड़
- श्यामाप्रसाद मुखर्जी वार्ड - पुराना जोन आफिस के पास

जोन 7
- तात्यापारा वार्ड - मंगलम भवन के सामने नाले के पास एचएमटी चौक मुक्कड़
- शहीद चूड़ामणि नायक वार्ड - आमापारा मेन रोड घासीदास प्लाजा के पास

जोन 8
- पंडित जवाहरलाल नेहरू वार्ड - कबीर नगर परशुराम चौक के पास
- संत रविदास वार्ड- डूमरतालाब नाला के पास
- माधवराव सप्रे वार्ड - डिपरापारा रायपुरा , इंद्रप्रस्थ के सामने

जोन 10
- डॉ. राजेंद्र प्रसाद वार्ड - गोविंद सारंग मुक्कड़ न्यू राजेंद्र नगर
- बाबू जगजीवन राम वार्ड - हिमालयन हाइट्स देवपुरी

क्षमा वीरस्य भूषणम्

मिच्छामी दुक्कड़म्

उत्तम क्षमा, सबको क्षमा, सबसे क्षमा

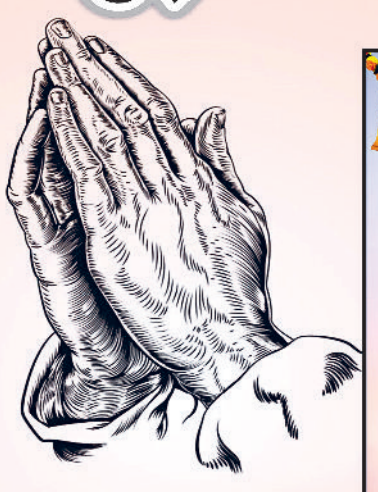

क्षमावाणी पर्व का अपना एक अलग ही महत्व होता है। क्षमा पर्व हमें सहनशीलता से रहने की प्रेरणा देता है, अपने मन में क्रोध को पैदा न होने देना और अगर हो भी जाए तो अपने विवेक से, नम्रता से उसे विफल कर देना। अपने भीतर आने वाले क्रोध के कारण को ढूँढकर, क्रोध से होने वाले अनर्थों के बारे में सोचना और अपने क्रोध को क्षमारूपी अमृत पिलाकर अपने आपको और दूसरों को भी क्षमा की नजरों से देखना। अपने से जाने-अनजाने में हुई गलतियों के लिए खुद को क्षमा करना और दूसरे के प्रति भी इसी भाव को रखना इस पर्व का महत्व है।

क्षमा पर्व मनाते समय अपने मन में छोटे-बड़े का भेदभाव न रखते हुए सभी से क्षमा माँगना इस पर्व का उद्देश्य है। हम सब यह क्यों भूल जाते हैं कि हम इंसान हैं और इंसानों से गलतियाँ हो जाना स्वाभाविक है। ये गलतियाँ या तो हमसे हमारी परिस्थितियाँ करवाती हैं या अज्ञानतावश हो जाती हैं। तो ऐसी गलतियों पर न हमें दूसरों को सजा देने का हक है, न स्वयं को। यदि आपको संतुष्टि के लिए कुछ देना है तो दीजिए 'क्षमा'।

क्षमा करने से आप दोहरा लाभ लेते हैं। एक तो सामने वाले को आत्मग्लानि भाव से मुक्त करते हैं व दूसरा दिलों की दूरियों को दूर कर सहज वातावरण का निर्माण करके उसके दिल में फिर से अपने लिए एक अच्छी जगह बना लेते हैं।

तो आइए अभी भी देर नहीं हुई है। इस क्षमावणी पर्व से खुद को और औरों को भी रोशनी का नया संकल्प पाठ गढ़ते हुए क्षमा पर्व का असली आनंद उठाए और खुद भी जीए और दूसरों को भी जीने दे के संकल्प पर चलते हुए क्षमापर्व का लाभ उठाएँ।

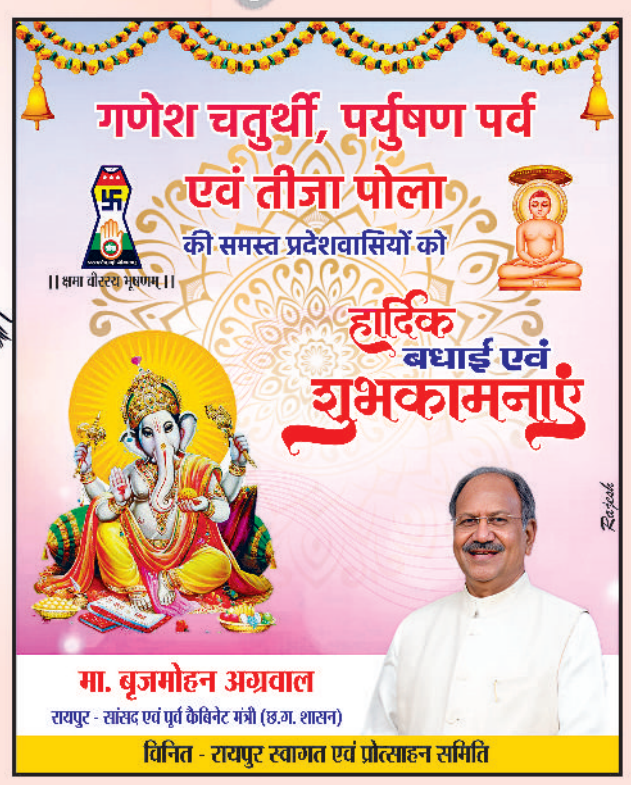

हरिभूमि

रायपुर, रविवार 8 सितंबर 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

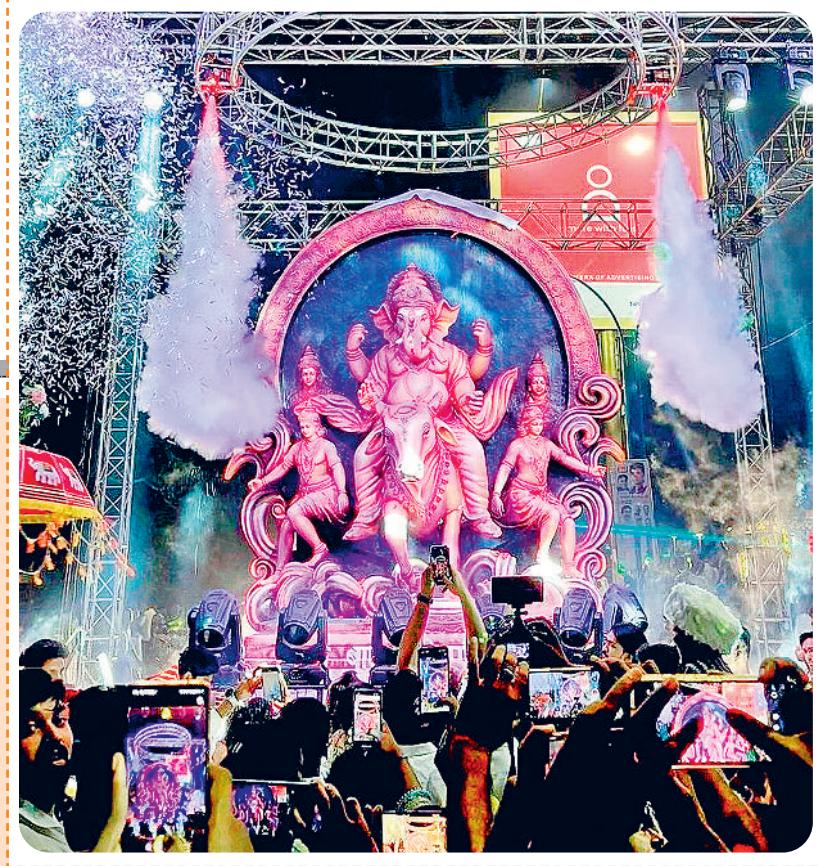

‘राजधानी में आराध्य देव की स्थापना से पहले बड़े पंडालों में दिनभर रंगीन लाइट और सुगंधित फूलों से विघ्नहर्ता का दरबार सजाने का दौर चला। गणेश चतुर्थी तिथि पर इस बार दिनभर में कई शुभ मुहूर्त मिलने से घरों और कॉलोनियों में प्रतिमा स्थापना का दौर सुबह से ही शुरू हो गया। इसके लिए लोगों ने पहले से ही बाजार से प्रतिमा और पूजा सामग्री जुटा ली थी। जिन लोगों ने शाम के मुहूर्त में मूर्ति स्थापना का मन बनाया था, उन भक्तों ने दुखहर्ता की पंडालों में देर रात तक स्थापना की। पंडालों में मंत्रोच्चार की गूंज रही।’

शहर में विराजे गणपति

हरिभूमि में विराजे गणपति

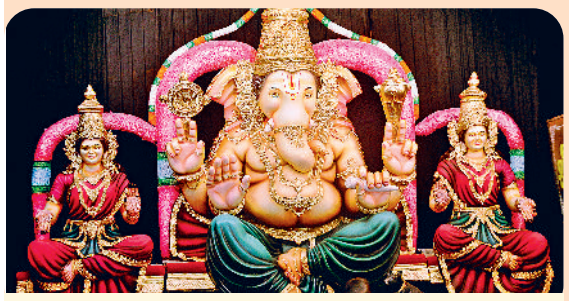

नवभारत गणेशोत्सव समिति, कंकाली पारा

फ्रेन्ड्स क्लब गणेशोत्सव समिति भगत सिंह चौक

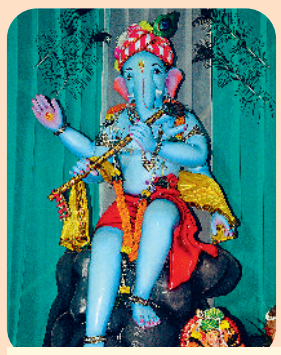

युवा गणेशोत्सव समिति, ब्राह्मण पारा

विघ्नहर्ता गणेशोत्सव समिति, पुरानी बस्ती

श्री क्रांति संघ गणेशोत्सव समिति, पुरानी बस्ती

चौबे कालोनी स्थित महाराष्ट्र मंडल

नवयुवक गणेशोत्सव समिति, कंकाली मंदिर

रायल्स क्लब गणेशोत्सव समिति, आजाद चौक

श्री जय भवानी बजरंग दल समिति, आमापारा

शिवजी गणेशोत्सव समिति, बूढ़ापारा

श्री शीतला नवयुवक गणेशोत्सव समिति, मठपारा

मां शारदा गणेशोत्सव समिति, टिकरापारा

शहर के चौक-चौराहों से लेकर घरों में विराजे गजानन, डीजे के धून में झूमें श्रद्धालु

रौशन हुआ विघ्नहर्ता का दरबार, रिमझिम बारिश के बीच घर-पंडालों में देर रात तक स्थापना, गूंजे मंत्र

रायपुर। गणेश प्रतिमा बनाने वाले हुनरमंदों ने पखवाड़ेभर पहले ही दुकान सजानी शुरू कर दी थी। इसे देखते हुए घरों व संस्थानों में मूर्ति स्थापना करने वालों ने स्टॉल पर जाने के बाद मूर्तियों को पसंद कर बुकिंग कराई थी। जो श्रद्धालु इनकी स्थापना घरों-दुकानों के पूजा कक्ष में करते हैं, ऐसे भक्त शनिवार को मूर्ति और पूजा सामग्री जुटाने के लिए बाजार में जमे नजर आए। इससे छुट्टी का दिन होने के बाद भी मुख्य मार्गों और बाजारों में दिनभर रौनक देखने को मिली। बड़े पंडालों में विघ्नहर्ता के साथ झांकी सजाने वालों ने शाम होने से पहले पंडालों की साज-सज्जा और तैयारी को अंतिम रूप दिया। बड़ी समितियों ने इसके लिए अलग-अलग लोगों को जिम्मेदारी बांटी थी। कुछ लोग माना, देवपुरी, कुम्हारी से बड़े वाहनों में प्रतिमा रखवाने के बाद डीजे की धुन पर झूमते-नाचते व जयकारे लगाते हुए शाम तक पंडाल पहुंचे।

शीशमहल में भोले का दरबार

कालीबाड़ी में इस बार गणेशोत्सव को खास बनाने के लिए की गई तैयारी लोगों को रास आने वाली है। 24 फीट चौड़े और 18 फीट ऊंचे विक्रांत एनएच की थीम में तैयार किए गए आकर्षक पंडाल में शीशमहल में भगवान भोलेनाथ का दरबार आकर्षण का केंद्र होगा। परमवीर सिंह ने बताया कि इस बार अयोध्या में श्रीराम की झलक लोगों को देखने को मिलेगी। कारीगरों ने अंतिम रूप दिया है। भगवान गणेश को मनमोहक स्वरूप देते हुए कारीगर भी दर्शन के लिए आने वाले भक्तों के बीच चर्चा का विषय होंगे। पंडाल में इस बार स्थापना की प्रक्रिया रात के मुहूर्त में की गई। इसके चलते पूजा स्थल में मंत्रोच्चार एवं आरती से भक्तिमय माहौल देखने लायक था।

पुरोहितों की दिनभर रही पूछपरख

शहर में सैकड़ों स्थानों पर बड़े स्तर पर विघ्नहर्ता का दरबार सजाने का सिलसिला इस बार भी देखने लायक रहेगा। सुबह से शाम तक गणेश स्थापना का सिलसिला चलने से कई पंडालों में इसलिए भी विलंब की स्थिति बनी, चूंकि जिन पुरोहितों को समितियों ने आमंत्रित किया था, उनकी व्यस्तता गणेश चतुर्थी को दिनभर रही। इससे वे कई बार फोन पर संपर्क करने के बाद भी समय पर नहीं पहुंच सके। इस वजह से स्थापना के लिए तय किया गया समय भी बदलना पड़ा। समिति से ज्यादा छोटे पंडालों व घरों और संस्थानों में होने से भी पुरोहितों को ज्यादा आमंत्रण मिलने की वजह से उनकी पूछपरख रही। कई बड़े पंडालों में इसके चलते इस बार पंडित विलंब से पहुंचे।

सोने का मुकुट, चांदी का छत्र

गोलबाजार में इस बार रिद्धि-सिद्धि के साथ भगवान गणेश की स्थापना मंत्रोच्चार के साथ की गई। विनय गुप्ता ने बताया कि गणेश की मूल मूर्ति को 750 ग्राम वजनी सोने का नवरत्न जड़ित मुकुट पहनाया गया है। मुकुट के ऊपर में आधा किलो चांदी से तैयार कराया गया छत्र स्थापित किया गया है। श्रीकृष्ण के रासलीला से सजी आकर्षक झांकी आकर्षण का केंद्र होगी। टिकरापारा, संतोषी नगर, रामसागर पारा, राठौर चौक के प्रमुख पंडालों में मूर्ति स्थापना का सिलसिला देर रात तक चला। इसके चलते भक्तिमय माहौल देखने को मिला। इसमें आसपास के लोगों समेत समिति के सदस्यों की मौजूदगी में भगवान की पूजा एवं आरती विधि-विधान से हुई।

पूजा सामग्री और फूलों की डिमांड

गणेश स्थापना से पहले पूजा सामग्री जुटाने के लिए समितियों को दिनभर मशक्कत करनी पड़ी। इसमें फूलों की जरूरत को देखते हुए बड़े आयोजकों ने थोक व्यवसाय से जुड़े कारोबारियों को पहले ही आर्डर दे दिया था। यही वजह है कि दिनभर में फूल विक्रेताओं ने 60 क्विंटल से ज्यादा गेंदा, मोंगरा, गुलाब, मोती माला की उपलब्धता के लिए इन्हें कोल्ड स्टोरेज में स्टाक के रूप में रखवाया था। इसको उन्हें सुबह से रात 11 बजे तक दुकानों में जरूरत के लिहाज से लाने के लिए कई बार वाहनों से चक्कर लगाना पड़ा। फूलों के व्यापारी युवराज साहू ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में दुकान चलाने वाले फूल विक्रेताओं से कई बार आर्डर मिलने से पूरा करने की चुनौती रही।

बैंड-बाजे व डीजे के साथ अगवाई

शहर में गणेश चतुर्थी के चलते दिनभर बाजार समेत मुख्य मार्गों पर शुक्रवार रात से बैंड-बाजे व डीजे के साथ अगवाई का दौर शुरू हुआ। इस बार पंडालों को भी लाइव परफार्मेंस के लिए जिस तरह से स्टेज सजाए जाते हैं, कुछ वैसा ही थीम बेस्ड किया गया है। इन पंडालों तक मूर्ति की अगवाई भी मुंबई की तरह ही की गई। इस तरह का नजारा बूढ़ापारा, राठौर चौक, गुढ़ियारी, कालीबाड़ी, रामसागर पारा में भी देखने को मिला। बैंड-बाजे के साथ ही डीजे की डिमांड भी दिनभर होने से बुकिंग लेने वाली टोलियों को यहां-वहां आर्डर पूरा करने के लिए दौड़भाग करनी पड़ी। यह सिलसिला देर रात तक चलते से आने-जाने वाले लोगों को ठहरना पड़ा।

बाजार में बढ़ी मोदक की मांग, गणेश चतुर्थी पर नए फ्लेवर भी

बाजार में 15 से अधिक फ्लेवर के स्पेशल मोदक, महाराष्ट्रियन और केसर लड्डू खास

कार्नर न्यूज

रायपुर। शनिवार को बाजे-गाजे के साथ सिद्धिविनायक भगवान गणेश की प्रतिमा का बड़े ही उत्साह से स्वागत किया गया। शहर के चौक-चौराहों पर सजे पंडालों समेत घरों में भी श्रीगणेश की स्थापना की गई है। गणेश चतुर्थी के एक माह पूर्व ही बाजार में रौनक बनी रही, जहां श्रद्धालु सजावट, मूर्ति, भोग व पूजन सामग्री की खरीदी करते रहे। गणपति बप्पा के आगमन के साथ ही शहर की मिठाई दुकानों में भी खरीदारों की भीड़ देर रात तक देखने को मिल रही है। जहां खरीदार मोदक की खरीदी करते नजर आते हैं। बीते कुछ सालों से मोदक के कई फ्लेवर बाजारों में तैयार किए जा रहे। इसमें 10 से अधिक फ्लेवर के मोदक बनाए जा रहे। 10 दिनों के पर्व में दुकानों को 15 दिन पहले से मोदक के ऑर्डर दिया जा रहा है।

मोदक प्रतिकिलो 580-600 रुपए तक

जयस्तंभ चौक स्थित दुकान संचालक भरतेष राठौर ने बताया, दुकान में गणेश चतुर्थी के अवसर पर मोदक तैयार किए हैं, जिसमें मोतीचूर के मोदक, केसर मोदक, मलाई मोदक व नारियल मोदक शामिल हैं। सभी की कीमत 580 से 600 रुपए किलो तय की गई। गणेश चतुर्थी पर्व से पहले ही खरीदारों द्वारा ऑर्डर दिया जा रहा, जिसमें सामान्य मोदक से अधिक अन्य फ्लेवर के मोदक की बिक्री हो रही।

मलाई मोदक पहली पसंद

शंकर नगर स्थित दुकान की कर्मचारी श्रद्धा ध्रुव ने बताया, दुकान में 8-10 प्रकार के मोदक उपलब्ध हैं। सभी ग्राहक अपनी पसंद के अनुसार इसकी खरीदी कर रहे हैं। इसमें बेसन मोदक, रोज मोदक, स्ट्रॉबेरी मोदक, मोतीचूर मोदक, काजू मोदक, मलाई केसर मोदक, सत्तू मोदक व नारियल मोदक के फ्लेवर दुकान में हैं। इसकी कीमत 500 रुपए से शुरू है, जो सामग्री के अनुसार तय की गई है। इस वर्ष मलाई मोदक ग्राहकों की पहली पसंद है, जिसे वे खरीदना पसंद कर रहे।

कस्टमाइज मोदक भी

शंकर नगर स्थित दुकान संचालक प्रतीक राठी ने बताया, प्रत्येक वर्ष गणेश चतुर्थी के अवसर पर न्यू फ्लेवर के मोदक बनाए जाते हैं। इस वर्ष पान, गुलकंद, टूटी-फ्रूटी, तिल, रोज फ्लेवर के मोदक तैयार किए जा रहे हैं। इसमें मुख्य आकर्षण का केंद्र शुगर फ्री मोदक है, जिसमें शक्कर के बदले गुड़ का उपयोग किया गया है। कुछ मोदक कस्टमाइज रूप से भी तैयार किए जाते हैं। कस्टमर अपनी पसंद अनुसार ही मोदक की डिमांड करते हैं। इसकी कीमत 220-250 रुपए पाव तय है।

आराधना

पर्यूषण पर्व में गलतियों व बुरे व्यवहार के लिए दोस्तों और करीबियों से मांगी माफी

रायपुर। डीडीनगर स्थित श्री 1008 वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में पर्वाधिराज पर्यूषण मनाया जा रहा है। दस दिवसीय महोत्सव जैन समाज में बड़े ही धूमधाम के साथ मनाया जाता है। पहले दिन उत्तम क्षमा धर्म का पालन किया गया, जिसमें पूरे वर्ष गलतियों व बुरे व्यवहार के लिए दोस्तों व करीबियों से माफी मांगी गई। दस दिवसीय कार्यक्रम में रोजाना सुबह 7 बजे मंदिर परिसर में कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा, जिसके पश्चात ब्रह्मचारी अरूण द्वारा सुबह-शाम प्रवचन दिया जाएगा।

ये होंगे कार्यक्रम

सुबह 8 बजे विकल्प जैन, राशि जैन द्वारा संगीतमयी सामूहिक पूजन, शाम 7 बजे सामूहिक आरती,रात 8 बजे प्रवचन व सांस्कृतिक कार्यक्रम किया जाएगा। श्री दिगंबर जैन सेवा समिति और आदिश्वर महिला मंडल द्वारा रविवार को 'युवा पीढ़ी द्वारा आइए जाने कौन हैं जैन श्रावक' कार्यक्रम होगा। सोमवार 9 सितंबर को बच्चों द्वारा फैंसी ड्रेस कार्यक्रम, मंगलवार 10 सितंबर को लघु नाटिका रेत के ढेर, बुधवार 11 सितंबर को जिन खोजा तिन पाईयां, गुरुवार 12 सितंबर को कौन बनेगा धर्म शिरोमणि, शुक्रवार 13 सितंबर को भक्ति संध्या, शनिवार 14 सितंबर को नाटिका करनी का फल, रविवार 15 सितंबर को चलो करें तीर्थ वंदना, सोमवार 16 सितंबर को रिश्तों की साझेदारी, मंगलवार 17 सितंबर को महाआरती का विशेष कार्यक्रम आयोजित4 किया जाएगा।

बुजुर्गों की तुलना में अब युवाओं को शरीर में दर्द की समस्या, स्वस्थ रहने रोजाना एक्सरसाइज की जरूरत

मोबाइल ने बिगाड़ी बच्चों की कमर, अब हर महीने फिजियोथेरेपी की आवश्यकता

आधुनिकता के साथ मोबाइल, लैपटॉप, गेमिंग उपकरणों का युवाओं में प्रयोग जरूरत से अधिक बढ़ता जा रहा है, जो धीरे-धीरे उनके स्वास्थ्य पर असर कर रहा। इससे व्यक्तियों में अपर व लोवर पैन की समस्या बढ़ती जा रही है। यह समस्या स्कूली बच्चों से लेकर बुजुर्गों तक को हो रही है। शहर के चिकित्सकों द्वारा समस्या पर रोक लगाने के लिए बेसिक एक्सरसाइज करने की बात कही गई। समान्य रूप से रोजाना एक्सरसाइज करने से शहर की मांसपेशियों में रक्तप्रवाह बना रहता है।

रायपुर। विश्व फिजियोथेरेपी दिवस पर शहर के फिजियोथेरेपी चिकित्सकों से बातचीत की गई तो उन्होंने कहा, बीते 2-5 सालों में लगातार गर्दन व बैक पैन की समस्या बढ़ती जा रही है, जिसमें 15 से 35 वर्ष के लोगों की संख्या सबसे अधिक है। बुजुर्ग व्यक्तियों में यह समस्या सामान्य है, लेकिन छोटे बच्चों में इस प्रकार की समस्या एक चिंता का विषय है। मोबाइल, लैपटॉप का अधिक प्रयोग हानिकारक परिणाम दे रहा, जिसे बच्चे व उनके परिजनों को समझने की आवश्यकता है। इससे बचने के लिए इनका कम प्रयोग करना ही सही है।

स्कूली बच्चों को भी थेरेपी की आवश्यकता

डॉ. नवीन बागरेचा ने बताया, वर्तमान में गर्दन व बैक पैन की समस्या के मरीज सबसे अधिक आ रहे। इसमें 15 साल से लेकर 35 साल के मरीज शामिल हैं। लगातार बदलती दिनचर्या के कारण ऐसी समस्याएं देखने को मिल रही हैं, इनमें मोबाइल व लैपटॉप का अधिक प्रयोग कारण है। रोजाना 10 में से 7 मरीजों की समस्या बैक पैन व गर्दन पैन की होती है। जिसका इलाज नई तकनीकों के साथ किया जा रहा है। लंबे समय से दर्द होने के कारण दवाएं काम करना बंद कर देती हैं, जिसके लिए तकनीक का प्रयोग करना होता है। इसके प्रयोग से मांसपेशियों को रिलीफ मिलती है, साथ ही सेंकाई की जाती है। नए उपकरणों की सहायता से 5-7 दिनों में लंबे वक्त से हो रहे दर्द को दूर किया जा सकता है।

उपकरणों के अधिक प्रयोग से हानिकारक परिणाम

डॉ. प्रकाश पटेल ने बताया, फिजियोथेरेपी की सबसे अधिक जरूरत युवाओं को है। वर्तमान में ऑनलाइन क्लास, गेमिंग व समय निकालने के लिए मोबाइल, लैपटॉप का जरूरत से अधिक उपयोग किया जा रहा। जिसके कारण अपर व लोवर पैन की समस्या लोगों में हो रही है। साथ ही जिम में जरुरत से अधिक वेट के साथ एक्सरसाइज करने पर भी अचानक शरीर में दर्द होने लगता है, जिसके बाद लोगों को थेरेपी की जरूरत पड़ती है। जिम या योगा करने के दौरान अनुभवी प्रशिक्षकों का चयन करना जरूरी है। दर्द होने पर मेनुअल थेरेपी लोगों को दी जाती है।

नई तकनीक से मरीजों का इलाज

डॉ. दीपक कुमार ताम्रकार ने बताया, वर्तमान में सर्वाइकल व बैक पैन की समस्या लेकर मरीज पहुंच रहे हैं। इसमें 40 से 60 वर्ष के मरीजों की संख्या सबसे अधिक है। इससे बचाव के लिए रोजाना सुबह 30 से 40 मिनट लाइट एक्सरसाइज करने की आवश्यकता है। लेजर थेरेपी जैसी नई तकनीक की मदद से लोगों का इलाज किया जा रहा है, जिससे उन्हें कम से कम समय में दर्द से छुटकारा मिलता है।

कैंपस इवेंट

शिक्षा का प्रकाश फैलाने निकाली साक्षरता रैली, शिक्षकों ने दिलाई शपथ

रायपुर। देशभर में साक्षरता सप्ताह मनाया जा रहा है। इस कड़ी में शनिवार को सातवे दिन प्रो जेएन पाण्डेय शासकीय स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट हिंदी माध्यम विद्यालय रायपुर की प्राचार्य के मार्गदर्शन तथा एएलटी-स्काउट मास्टर हेमधर साहू की अगवाई में साक्षरता रैली निकाली गई। इसमें विद्यालय के विद्यार्थियों और शिक्षकों ने 15 वर्ष से अधिक आयु वाले निरक्षरों को साक्षर बनाने के लिए जन-जन तक संदेश पहुंचाने के लिए साक्षरता रैली भी निकाली। रैली के अंत में सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों ने उल्लास के साथ शपथ दिलाई। स्काउट मास्टर ने बताया कि साक्षरता रैली के दौरान स्ट्रीट पर जय साक्षर, जय अक्षर का नारा लगाया। इसके लिए विद्यार्थियों ने स्लोगन और गीतों से निरक्षरता के अभिशाप से मुक्ति पाने और दिलाने का भी संदेश दिया।

कलेक्टर के आदेश पर प्रयास

श्री साहू ने बताया कि एक सप्ताह पहले रायपुर के जिलाधीश डॉ. गौरव कुमार सिंह के मार्गदर्शन तथा जिला पंचायत रायपुर के मुख्य कार्यपालन अधिकारी विश्वदीप सिंह के निर्देशन में साक्षरता अभियान शुरू किया गया। इसमें जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विजय कुमार खण्डेलवाल, जिला परियोजना अधिकारी डॉ. कामिनी बावनकर व सहायक जिला परियोजना अधिकारी डॉ. चुन्नीलाल शर्मा की बनाई योजना के तहत अभियान का स्वरूप दिया गया। इसमें सुचिता पांडे, यूएस साहू ने भी भरपूर सहयोग दिया।

फुलेरा विसर्जन के बाद तिजहारिनों ने किया पारणा, माता कौशल्या को कराया गांव का भ्रमण, निकाली शोभायात्रा

तीज व्रत के बाद दिनभर परिवारों में रहा उत्सव का माहौल

रायपुर। सुहागिनों ने पति की लंबी उम्र तो कन्याओं ने माता पार्वती की तरह मनचाहे वर की कामना से 24 घंटे का निर्जला तीज किया। शनिवार को ब्रह्म मुहूर्त में नदियों व सरोवरों में स्नान के बाद देवालयों में आराधना की। घर आने के बाद शुक्रवार की रात सजाए गए फुलेरा व उपयोग की गई पूजा सामग्री का विसर्जन करने के बाद पारणा किया। वहीं चंदखुरी में इस बार माता कौशल्या की स्थापना के साथ ही गांव की महिलाओं ने जिस तरह से बहन-बेटी को तीज पर बुलाने के बाद उनकी आवभगत करने और तीज के बाद उनको विदाई दी जाती है, कुछ उसी तरह की परंपरा निभाई गई। इसके चलते गांव में हर्षोल्लास का माहौल था। ऐसा इसलिए भी था, क्योंकि विदाई से पहले माता कौशल्या की प्रतिमा के साथ पारंपरिक नृत्य टोली के साथ भव्य शोभायात्रा गांव का भ्रमण करने के लिए निकाली गई।

तिजहारिनों को परोसा गया व्यंजन

दूरदराज ससुराल में रहने वाली बेटियों को हरितालिका तीज पर बुलाने की परंपरा तो सप्ताहभर पहले ही निभाई गई, जबकि पारणा के बाद तिजहारिनों ने सखी-सहेलियों और स्वजनों से भेंट-मुलाकात दौर शुरू हुआ। इसमें उन्हें चीला, फरा, ठेठरी, खुरमी, अईरसा, कढ़ी सोहारी, गुलगुला भजिया, भजिया जैसे व्यंजन परोसे गए। अतिथि के रूप में मिलने के लिए स्वजनों के बीच तिजहारिनों का आना-जाना चलने से घरों में उत्सव का माहौल देखने को मिला। तिजहारिनों का एक-दूसरे से मिलने का सिलसिला देर-शाम तक चलता रहा।

परिवारों में रहा उत्सव का माहौल

महिलाओं ने शुक्रवार को निर्जला व्रत करते हुए दिनभर व्रत नियम का पालन किया, वहीं रात में फुलेरा सजाने के बाद पूजा-अर्चना की। उपासना करने वाली महिलाओं ने शनिवार को वे ब्रह्म मुहूर्त में नदियों व तालाबों में स्नान करने के बाद आसपास के मंदिरों में पूजा-अर्चना की। वहीं फुलेरा व पूजा सामग्री का विसर्जन करने के बाद पारणा किया। इसके बाद शिव और माता पार्वती को अर्पित किए गए भोग-प्रसादी का वितरण करने के साथ ही आसपास की सखी-सहेलियों से मुलाकात की, इससे घरों में दिनभर उत्सव का माहौल रहा।

कौशल्या को दी गई भावपूर्ण विदाई

माता कौशल्या के मायके चंदखुरी में सप्ताहभर जहां उत्साह का माहौल रहा। वहीं तीजा के बाद उन्हें भावपूर्ण विदाई दी गई। माता कौशल्या संग तीजा तिहार का यह उत्सव अयोध्या से मिट्टी लाने से प्रारंभ होकर मूर्ति निर्माण एवं स्थापना के साथ ही तीजा पर्व को विधिवत पूर्ण किया गया। वहीं माता को विदाई देते समय गांव के लोगों की आंखों में आंसू थे। भावविभोर होकर माता की मूर्ति को पंथी नृत्य व राउत नाचा के साथ भ्रमण करके जनसेल तालाब में शनिवार को विसर्जित किया गया। आयोजन के सूत्रधार राकेश तिवारी ने लोगों को धन्यवाद देते हुए आगामी वर्ष में समारोह को भव्य रूप देने का भरोसा दिलाया।

जैन समाज ने दुकानें बंद कर बिताया साधु जीवन, 84 लाख जीवों से क्षमा मांगी

रायपुर। श्वेतांबर जैन समाज ने शनिवार को पर्यूषण के आखिरी दिन संवत्सरी पर्व मनाया। इस मौके पर बड़ी संख्या में लोगों ने पौषध धारण किया। मतलब पूरे दिन साधु जीवन बिताया। ऐसे तपस्वियों के लिए एमजी रोड स्थित जैन दादाबाड़ी में सुबह 5 बजे पौषण प्रतिक्रमण रखा गया था। करीब 400 लोग इसमें शामिल हुए। श्री विनय कुशल मुनि म.सा. और श्री विराग मुनि म.सा. के पावन सानिध्य में यहां भक्तजनों ने प्रतिक्रमण करते हुए 84 लाख जीव योनियों से क्षमा मांगी। मूल बारसा सूत्र का वाचन सुबह 7 बजे से शुरू हुआ। प्रवचन सभा में श्री विराग मुनि ने कहा, हमने-आपने गलती की हो या ना की हो, जिससे भी राग-द्वेष है और बोलचाल नहीं है, सबसे पहले उनसे मिच्छामि दुक्कड़म करें। जिस किसी से भी बैर हो, उससे माफी मांगें। माफी मांगने से कोई छोटा नहीं हो जाता, बल्कि माफी मांगने वाला हमेशा बड़ा होता है। उन्होंने बताया कि संवत्सरी आत्मशुद्धि का पर्व है। ये सिर्फ जान-अनजाने हुई गलतियों के लिए क्षमा-याचना करने का नहीं, बल्कि दूसरों को भी माफ कर देने का पर्व है। हृदय को शुद्ध बनाकर कषायों से मुक्त होने का पर्व है। जिस तरह कपड़े गंदे होने पर हम उन्हें साफ करते हैं, उसी तरह संवत्सरी पर हम अपनी गलतियों के लिए क्षमा-याचना और कषायों से मुक्त होकर आत्मा की शुद्धि करते हैं।

364 दिन छोटों से प्रणाम कराते होंगे, आज उनके सामने भी झुकें

मुनिश्री ने कहा, साल के 364 दिन भले आप छोटों से प्रणाम करवाते होंगे, लेकिन संवत्सरी संदेश देता है कि इस दिन आपको अपने छोटों से भी झुककर माफी मांगनी है, अगर आपने मन, वचन, कर्म से किसी तरह आघात पहुंचाया हो। संवत्सरी तभी सार्थक है, जब हम दूसरों को भी माफ कर देते हैं। माफी मांगने से बढ़कर माफ कर देना है, इसलिए किसी के प्रति अपने मन में द्वेष न रखें। कुल मिलाकर संदेश यही है कि इस पर्व पर सभी से माफी मांगें और खुद भी सबको माफ कर दें। आत्मस्पर्शीय चातुर्मास समिति के अध्यक्ष पारस पारख, महासचिव नरेश बुरड़ और कोषाध्यक्ष अनिल दुग्गड़ ने बताया कि चातुर्मास में संवत्सरी का खास महत्व है। समाज के ज्यादातर लोगों ने इस मौके पर दुकानें बंद रखकर पूरा दिन साधु जीवन बिताया। जिन लोगों ने पौषध नहीं लिया, वे भी छोटी-बड़ी तपस्याओं में शामिल हुए। इनके लिए दोपहर 3 बजे प्रतिक्रमण भी रखा गया था। 4 हजार से ज्यादा लोग इसमें शामिल हुए। ध्यान-साधना की इस प्रक्रिया के दौरान लोगों ने इस जन्म और पूर्व भवों में जाने-अनजाने हुई गलतियों के लिए मिच्छामि दुक्कड़म किया।

सिटी लाइव

नयनाभिराम प्रस्तुतियों से बांधा समां कथक और संगीत गायन ने किया मंत्रमुग्ध

रायपुर। 12वीं गीतांश अंतर विद्यालय एवं ओपन राष्ट्रीय नृत्य, संगीत गायन एवं वाद्य सहित ड्राइंग और पेंटिंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस स्पर्धा में प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक नयनाभिराम प्रस्तुति दी। विजेता प्रतिभागियों का अतिथियों द्वारा शील्ड व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मान किया गया। डायरेक्टर पीपी बिस्वास ने बताया कि बच्चों में छिपी प्रतिभाओं को निखारने यह प्रतियोगिता आयोजित की गई थी। प्रतियोगिता में शामिल होने देश के विभिन्न क्षेत्रों से करीब 400 प्रतिभागियों ने हिस्सा लिए। डायरेक्टर श्री बिस्वास ने बताया कि इस प्रतियोगिता से चयनित उम्मीदवारों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के महोत्सव में प्रदर्शन करने का अवसर प्रदान किया जाएगा। प्ले ग्रुप में 3 से 6 साल, सब जूनियन ग्रुप में 7 से 10 साल, जूनियर ग्रुप में 11 से 16 साल, सीनियर ग्रुप में 17 से 21 साल, यूथ ग्रुप में 22 से 25 साल और ओपन एज कैटेगरी में 25 साल आयु वर्ग के प्रतिभागी अपनी प्रस्तुति दी।

विभिन्न एकल विधाओं में पुरस्कृत प्रतिभागी:

कथक सब जुनियर में प्रदान ओझल नाग, द्वितीय अंशिक्त सिंग, तृतीय पूर्वी, जुनियर ग्रुप में प्रथम चेतना, द्वितीय राधिका और सौम्या तीसरे स्थान पर रहे। सीनियर ग्रुप में प्रथम अमरूणी, द्वितीय खुशी वेस्टन सब जूनियर में प्रथम रूद्र पाटिदार, द्वितीय राजेश दास, तृतीय देव। सिंगिग सबजुनियर में प्रथम सानवी, द्वितीय अदविका, जूनियर में प्रथम अंशुता, द्वितीय मधु, सेमीक्लासिकल में प्रथम हूमायरा खान रही।

बाजार में अब चांदी-पीतल और कांसे की ज्वेलरी आसानी से लोगों को मिल रही

पारंपरिक गहनों का ट्रेंड : युवाओं को लुभा रहे छत्तीसगढ़ी आभूषण, बाजार में चांदी की मुंदरी, बिछिया, पैरी की मांग

कार्नर न्यूज

रायपुर। बदलते समय के साथ लोग अपनी संस्कृति के अनुसार अब ज्वेलरी खरीद रहे हैं। सराफा बाजार में विभिन्न राज्यों के पारंपरिक आभूषण उपलब्ध हैं, जिसमें अब छत्तीसगढ़ी पारंपरिक गहनों का ट्रेंड अब युवाओं की भी पसंद बन चुकी है। बाजार में अब चांदी-पीतल और कांसे में ज्वेलरी आसानी से लोगों को मिल रही है। बता दें कि छत्तीसगढ़ी वेशभूषा में मुंदरी, बिछिया, पैरी, पैजन, करधन और पुतरी समेत ऐंठी व हंसली जैसे आभूषण शोभित होते हैं। फैशन के दौर में यह ट्रेंड एक फिर लौट आया है। शादी व खास अवसर में पहनने के लिए लोग छत्तीसगढ़ी आभूषण खरीद रहे हैं। शहर के सुमित ज्वेलर्स में चांदी के गहने परंपरानुसार डिजाइन कराए गए हैं। संचालक के मुताबिक, छत्तीसगढ़ी परंपरा की ज्वेलरी की मांग सालभर रहती है। एक हजार से लेकर 10 हजार तक के आभूषण उपलब्ध हैं। मांग के अनुसार सिक्कों का हार भी तैयार किया जा रहा है। बाजार में कुछ लोग पुरानी ज्वेलरी के अनुसार ही चांदी और कांसे भी गहने डिजाइन करा रहे हैं।

सिक्के के हार में छत्तीसगढ़ी संस्कृति

बाजार में लोग ज्वेलरी की कीमत से ज्यादा उसकी डिजाइन को पहले प्राथमिकता दे रहे हैं। छत्तीसगढ़ी आभूषण में डिजाइन का वर्क अधिक होता है। लोग चांदी के सिक्के के हार में छत्तीसगढ़ संस्कृति की कलाकृति डिजाइन कराने पहुंच रहे हैं। बाजार में यह ट्रेंड सभी वर्गों को पसंद आ रहा है। सराफा व्यापारियों का कहना है कि इस बार शादी सीजन में कई लोगों छत्तीसगढ़ी आभूषण खरीदे हैं। लगातार इसकी मांग बढ़ती जा रही है।

सराफा में कमरबंद की बिक्री सर्वाधिक

वर्तमान में अधिकतर लोग रेडिमेड ज्वेलरी की खरीदारी करना अधिक पसंद कर रहे हैं, लेकिन कुछ वर्ग ऐसे भी हैं, जो विशेष ऑर्डर से अपनी मनपसंद ज्वेलरी तैयार करा रहे हैं। सराफा व्यापारी वैभव सोनी ने बताया कि कुछ सालों से लोग सोने में पारंपारिक छत्तीसगढ़ी आभूषण तैयार करा रहे हैं। इसके अलावा चांदी के सिक्के से बना पारंपरिक कमरबंद बनाने के भी ऑर्डर अधिक मिल रहे हैं। डिजाइन वर्क अधिक होने से इसकी कीमत रेडिमेड ज्वेलरी से अधिक है। उन्होंने बताया कि ज्यादातर लोग कंपनियों की ब्रांडेड ज्वेलरी पर फोकस कर रहे है। नामी कंपनियों द्वारा तैयार डिजाइन आभूषणों की खरीदारी कर उसमें अपनी पसंद से चीजें जोड़ी-घटाई जा रही हैं।

खबर संक्षेप

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर सीएम साय ने दी बधाई

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने 8 सितंबर अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस के अवसर पर प्रदेशवासियों को बधाई और शुभकामनाएं दी हैं। श्री साय ने अपने संदेश में कहा है कि साक्षरता का विकास से सीधा संबंध है। साक्षरता समाज में समानता, शांति और विकास का मूल आधार है। अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस अक्षर ज्ञान की महत्ता बताने का दिन है। यह ज्ञान के प्रकाश से समाज में सुख और समृद्धि फैलाने के संकल्प लेने का दिन है। मुख्यमंत्री ने कहा है कि साक्षरता के लिए व्यक्तिगत रुचि और सामूहिक प्रयासों की आवश्यकता है। व्यापक जनभागीदारी से यह लक्ष्य हासिल किया जा सकता है।

डिप्टी सीएम साव आज विकास कार्यों का करेंगे लोकार्पण

रायपुर। उप मुख्यमंत्री अरुण साव 8 सितंबर को दुर्ग जिले के रिसाली और खुर्सीपार में लोकार्पण कार्यक्रमों में शामिल होंगे। वे सवेरे 11.20 बजे रायपुर से सड़क मार्ग से रिसाली के लिए रवाना होंगे।

दोपहर 12 बजे रिसाली नगर निगम में विभिन्न विकास कार्यों का लोकार्पण करेंगे। दोपहर पौने एक बजे रिसाली से न्यू खुर्सीपार के लिए प्रस्थान करेंगे। दोपहर 1 बजे न्यू खुर्सीपार, भिलाई के सम्राट अशोक चौक में कुश जयंती और लोकार्पण कार्यक्रम में शामिल होंगे। दोपहर पौने दो बजे न्यू खुर्सीपार से रायपुर के लिए रवाना होंगे। श्री साव दोपहर ढाई बजे वापस रायपुर पहुंचेंगे।

12 लाख से अधिक सदस्यों का ई-केवाईसी नहीं, साढ़े 5 लाख कार्डों का नवीनीकरण भी अटका

राशनकार्ड के सभी सदस्यों को ई-केवाईसी कराना अनिवार्य, ई-केवाईसी के बाद कराया जा रहा नवीनीकरण

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देशभर में राशन कार्डों के सदस्यों का भौतिक सत्यापन करने के लिए ईकेवाइसी कराया जा रहा है। इसके तहत राशन दुकान में ई-पॉस मशीन के माध्यम से प्रत्येक सदस्य का फिंगर स्कैन कराकर उसका आधार कार्ड अपडेट किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ में ईकेवाइसी का काम पिछले 8 महीने से चल रहा है, लेकिन अब तक 12 लाख से अधिक सदस्यों का ईकेवाइसी नहीं हो पाया है। इधर एक ओर जहां लाखों लोगों ने केवाइसी कराया हैं, वहीं दूसरी ओर राज्य में सरकार बदलने के बाद नया राशन कार्ड बनाने के लिए नवीनीकरण का कार्य चल रहा है। इस कार्य पर भी अब ब्रेक लग गया है, जबकि प्रदेशभर में करीब साढ़े 5 लाख कार्ड धारकों का अब तक नवीनीकरण नहीं हो पाया है। नवीनीकरण की ऑफिसियल आईडी ब्लॉक होने के कारण छूटे हुए कार्ड धारक नवीनीकरण नहीं करा पा रहे हैं।

78 लाख से अधिक कार्ड धारक, सदस्यों की संख्या 2 करोड़ 70 लाख से ज्यादा

प्रदेश में 78 लाख 44 हजार 326 कार्ड धारक है। इसकी तुलना में कार्ड सदस्यों की संख्या 2 करोड़ 70 लाख 75 हजार 19 है। इस तरह प्रत्येक कार्ड में कम से कम 2 सदस्य एवं उससे अधिक है। कुल कार्डों की तुलना में प्रदेश में अब तक 12 लाख से अधिक सदस्यों ने केवाइसी नहीं कराया है। इस तरह करीब 4.5 प्रतिशत सदस्यों ने अब तक केवाइसी नहीं कराया है। इनमें ज्यादातर सदस्य एपीएल कार्ड के है।

7 लाख से ज्यादा धारकों का नहीं हो पाया नवीनीकरण

विभागीय आकड़ों के अनुसार राज्य में कुल कार्ड धारकों की संख्या में 71 लाख 26 हजार 182 कार्ड धारकों ने नवीनीकरण करा लिया है, वहीं 7 लाख 18 हजार 114 कार्ड धारकों ने अब तक नवीनीकरण नहीं कराया है।

ऑनलाइन ऑप्शन की आईडी ब्लॉक के कारण अटका नवीनीकरण

नवीनीकरण का कार्य वैसे तो कार्ड धारक स्वयं से कर सकता है। इसके लिए विभाग की साईट पर नवीनीकरण कराने का ऑप्शन दिया गया है, लेकिन ज्यादातर कार्ड धारक राशन दुकानों के माध्यम से ही नवीनीकरण करा रहे हैं। नवीनीकरण कराने की अंतिम तारीख 15 अगस्त थी। इसके बाद से विभागीय साईट में नवीनीकरण के लिए दिए जाने वाले ऑनलाइन ऑप्शन की आईडी को ब्लॉक कर दिया गया है। इसके कारण नवीनीकरण कराने के लिए आवेदन भी नहीं हो पा रहा है।

छूटे हितग्राहियों को अवधि बढ़ाने की तारीख का इंतजार

नवीनीकरण नहीं करा पाने वाले कार्ड धारकों को अब इसकी तारीख बढ़ाने जाने का इंतजार है। रायपुर सहित कई जिलों में नवीनीकरण कराने से छूटे कार्ड धारकों की संख्या हजारों में है। ऐसे में इन जिलों के खाद्य विभागों से शासन को नवीनीकरण की तारीख आगे बढ़ाए जाने संबंधी प्रस्ताव भी भेजे जा रहे हैं। रायपुर जिले से भी इस संबंध में प्रस्ताव भेजा गया है।

प्रस्ताव भेजा गया है

जिले में 70 हजार से ज्यादा कार्ड धारकों को नवीनीकरण नहीं हो पाया है, वहीं डेढ़ लाख से अधिक सदस्यों का ईकेवाइसी भी नहीं हुआ है। नवीनीकरण की तारीख बढ़ाने प्रस्ताव मुख्यालय भेजा गया है।

- भूपेंद्र सिंह,
जिला खाद्य नियंत्रक

बीएलओ की नाराजगी, ओबीसी सर्वे का काम पिछड़ा

लटक सकता है पंचायत और नगरीय निकायों में आरक्षण का मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य शासन द्वारा ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में ओबीसी सर्वे किया जा रहा है, लेकिन इसमें बीएलओ का सहयोग नहीं मिलने से कार्य में गति नहीं आ रही है। नगरीय निकाय और पंचायत विभाग अपने कर्मचारियों के माध्यम से अंजाम देने में लगा हुआ है। समय पर काम पूरा नहीं हुआ, तो त्रिस्तरीय पंचायत और नगरीय निकायों में आरक्षण का मुद्दा लटक सकता है।

उल्लेखनीय है कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद छत्तीसगढ़ शासन ने पिछड़ा वर्ग आयोग को गठन किया है। आयोग की पिछले माह हुई बैठक में वार्ड और ग्राम वार पिछड़ा वर्ग की संख्या का सर्वे कराने का निर्देश जारी किया गया। यह कार्य नगरीय निकाय और पंचायत विभाग के माध्यम से पूरा करने उन्हें काम सौंपा गया है। उक्त कार्य को समय पर पूरा करने के लिए नोडल अधिकारी, सहायक नोडल अधिकारी, समन्वयक नियुक्त किए गए है। इस काम में पंचायत सचिव, रोजगार सहायक, आंगनबाड़ी कार्यकर्ता, शिक्षकों के मदद से सर्वे को पूरा करने का प्रयास हो रहा है, लेकिन इस काम में प्रमुख भूमिका निभाने वाले बीएलओ ने अपने को सर्वे से अलग कर लिया है। इससे काम में गति नही आ रही है।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अतिरिक्त काम से मांगी मुक्ति

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अतिरिक्त कार्यों से मुक्त करने की मांग की है। इन कार्यकर्ताओं को आंगनबाड़ी केन्द्रों में रोजाना ड्यूटी के साथ ही चुनाव में बीएलओ ड्यूटी करने के साथ ही पोषण ट्रेकर एप, महतारी वंदन योजना सहित कई कार्यों की जिम्मेदारी भी होती है। इन सब के बाद अब आंगनबाड़ी वर्कर्स से ओबीसी सर्वे का काम लिया जा रहा है, जिसके कारण अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता केंद्रों का काम ठीक ढंग से नहीं कर पा रहे हैं। इसी बीच अभी निर्वाचन का काम भी चल रहा है। डोर-टू-डोर काम चल रहा है, इसमें नए मतदाताओं को जोड़ना और जिनकी मृत्यु हो गई है उनके नाम काटने के अलावा ओबीसी सर्वे का काम भी दिया जा रहा है।

30 सितंबर तक होना है सर्वे

मतदाता सूची का पुनरीक्षण का कार्य 10 अक्टूबर तक चलेगा। वहीं ओबीसी सर्वे का कार्य 30 सितंबर तक पूरा करने के निर्देश जारी किए गए है। प्रदेश में अब तक 30 प्रतिशत सर्वे का काम पूरा हुआ है। ऐसे में शेष बचे दिनों पूरा सर्वे हो पाने की संभावना कम ही है। देखना होगा की तय समय में आयोग अपनी रिपोर्ट दे पाती है कि नहीं। मतदाता सूची में ओबीसी के नामों को चिन्हाकित कर 54 बिंदुओं का प्रपत्र सर्वे में भरवाने का काम दिया गया है।

पायलट का जन्मदिन सुबोध ने बच्चों के साथ मनाया

रायपुर। एआईसीसी महासचिव और छत्तीसगढ़ प्रभारी सचिन पायलट का जन्मदिन प्रदेश महामंत्री सुबोध हरितवाल ने साथियों के साथ मूक बधिर बच्चो की शाला कोपलवानी में मनाया। बच्चों ने अपनी साइन लैंग्वेज में गाना गाकर सचिन पायलट को जन्मदिन पर शुभकामनाएं प्रेषित की।

राज्य में कर्मचारियों और पेंशनरों के लिए डीए-डीआर के आदेश जल्दी होंगे

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त राज्य कर्मचारी संघ छत्तीसगढ़ के प्रतिनिधिमंडल ने प्रदेश महामंत्री एके चेलक के नेतृत्व में शुक्रवार को देर रात मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मुख्यमंत्री निवास में प्रत्यक्ष भेंट कर ज्ञापन सौंपा। साथ ही राज्य के कर्मचारियों और पेंशनरों को जनवरी 2024 से लंबित डीए डीआर देने के लिए शीघ्र निर्णय लेने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री ने इस पर संघ प्रतिनिधिमण्डल को आश्वस्त किया कि राज्य में कर्मचारियों और पेंशनरों को डीए डीआर देने के आदेश बहुत जल्द जारी होंगे। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री को राज्य में कैशलेस चिकित्सा योजना लागू करने, नियमित किए गए दैनिक वेतनभोगी कर्मचारियों को नियमित कर्मचारियों की भांति अवकाश नकदीकरण का लाभ देने, शिक्षा विभाग द्वारा जारी युक्तियुक्तकरण आदेश को पूर्ण रूप से निरस्त कर शिक्षा संवर्ग का पदोन्नति के लिए ज्ञापन देकर अनेक अन्य कर्मचारी हितैषी मुद्दों की ओर उनका ध्यान आकर्षित किया।

// आम सूचना //

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेतागण श्री कन्हैया साहू पिता श्री मनराखन साहू जाति तेली निवासी ग्राम सिलयारी तहसील रायपुर व जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि की वाके मौजा पथरी पं.ह.नं 00008 रा. नि. मं. रायपुर-20- सिलयारी- कुरुद तहसील रायपुर व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 96/6 रकबा 0.1030 जिसका ऋण पुस्तिका क्रमांक पी-3765176 है। तथा विक्रेतागण 1. श्री खूबचंद साहू 2. सुनील साहू 3. भूपेन्द्र साहू 4. टेकेश्वर साहू 5. गीता साहू सभी पिता श्री नीलकंठ साहू 6. श्रीमती रुखमणी साहू पति नीलकंठ साहू जाति तेली सभी निवासीगण ग्राम सिलयारी तहसील रायपुर व जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि की वाके मौजा पथरी प.ह.नं. 00008 रा.नि.मं. रायपुर-20-सिलयारी- कुरुद तहसील रायपुर व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 96/8 रकबा 0.1030 हेक्टे. जिसका ऋण पुस्तिका क्रमांक पी-3765173 है, उक्त दोनो संपत्ति/ भूमि का कुल रकबा 0.2060 हेक्टे. भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर अग्रिम बयाना/टोकन राशि विक्रेतागण को प्रदान कर दिया है। तथा शेष राशि का भुगतान बैनामा पंजीयन की समय किये जाने की बात हुई है तथा अभी पंजीयन की कार्यवाही शेष है।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति, निगम, वित्तीय, अर्द्धशासकीय, शासकीय संस्था को उपरोक्त भूमि/ संपत्ति के स्वत्व एवं आधिपत्य के संबंध में कोई भी उजर या आपत्ती हो तो मेरे पक्षकार या मेरे कार्यालय मे मय दस्तावेज आपत्ती 07 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें। बाद म्याद की गई कोई भी आपत्ती मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी नहीं होगा व अवैध व शून्य माना जावेगा। म्याद अवधि के पश्चात मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र होगा। । सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक 07/09/2024

भवदीय
संजय कुमार यादव (अधिवक्ता)
पता- ब्लाक बी, सड़क नं. 08 करण नगर न्यु चंगोराभाठा रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग.
मो.नं. 8964016248, 8982052737

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार के द्वारा विक्रेतागण 1. श्री शुभम देवांगन पिता श्री राजू देवांगन 2 श्री आशीष देवांगन पिता श्री रंजीत देवांगन जाति कोष्टा दोनों निवासीगण रामजानकी मंदिर केशला खरोरा जिला रायपुर छ.ग. के स्वामित्व एवं आधिपत्य की कृषि भूमि की वाके मौजा करमा प. ह. नं 00038 रा. नि. मं. भैंसा, तहसील आरंग व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नं. 58/2 रकबा 0.1000 खसरा नं. 58/4 रकबा 0.1000 हेक्टे. कुल रकबा 0.2000 हेक्टे. भूमि को क्रय करने का पक्का सौदा कर अग्रिम बयाना/टोकन राशि विक्रेतागण को प्रदान कर दिया है । तथा शेष राशि का भुगतान बैनामा पंजीयन की समय किये जाने की बात हुई है तथा अभी पंजीयन की कार्यवाही शेष है ।

अतः जिस किसी भी व्यक्ति, निगम, वित्तीय, अर्द्धशासकीय, शासकीय संस्था को उपरोक्त भूमि / संपत्ति के स्वत्व एवं आधिपत्य के संबंध में कोई भी उजर या आपत्ति हो तो मेरे पक्षकार या मेरे कार्यालय मे मय दस्तावेज आपत्ति 15 दिनों के भीतर प्रस्तुत करें। बाद म्याद की गई कोई भी आपत्ति मेरे पक्षकार के उपर बंधनकारी नहीं होगा व अवैध व शून्य माना जावेगा। म्याद अवधि के पश्चात मेरा पक्षकार उपरोक्त संपत्ति का पंजीयन कराने हेतु स्वतंत्र होगा।

सो सूचना जाने।

रायपुर (छ.ग.)
दिनांक 07/09/2024

भवदीय
संजय कुमार यादव (अधिवक्ता)
पता - ब्लाक बी, सडक नं. 08 करण नगर न्यू चंगोराभाठा रायपुर तहसील व जिला रायपुर छ.ग.
मो. 8964016248, 8982052737

संजय श्रीवास्तव बोले

माता कौशल्या मंदिर के निर्माण में भ्रष्टाचार कांग्रेस की काली करतूतों का एक और नमूना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा, चंदखुरी में कांग्रेस की पिछली भूपेश सरकार के कार्यकाल में तीन साल पहले बने माता कौशल्या के मंदिर निर्माण में किया गया भ्रष्टाचार कांग्रेस सरकार की काली करतूतों का एक और नमूना है। कांग्रेस के भ्रष्टाचार की पोल मंदिर की छत से भ्रष्टाचार की बूंदों के रूप में टपकते पानी से खुल रही है, जिससे मंदिर परिसर में पानी का जमाव हो गया है। अब तो मंदिर के पत्थर तक गिरने लगे हैं। यह बेहद दुखदाई और शर्मनाक है। कांग्रेस को कौशल्या माता मंदिर के निर्माण में भ्रष्टाचार करते शर्म क्यों नही आई।

श्री श्रीवास्तव ने कहा, कांग्रेस की भूपेश सरकार ने अपने शासनकाल में पैसे की हवस का शिकार भगवान तक को भी बना डाला और छत्तीसगढ़ को शर्मसार करने में यह कसर भी बाकी नहीं रखी। छत्तीसगढ़ भगवान श्री राम का ननिहाल है और इस पर हम सब छत्तीसगढ़वासी गर्व करते हैं। छत्तीसगढ़ माता कौशल्या के नाम से जाना जाता है, छत्तीसगढ़ की प्रतिष्ठा माता कौशल्या से है। उन्हीं माता कौशल्या के मंदिर को बनाते समय कांग्रेस ने भ्रष्टाचार कर अपनी पैसे की जो हवस दिखाई है, उससे फिर एक बार यह प्रमाणित हुआ है कि कांग्रेस विश्व का सबसे बड़ा भ्रष्टाचारी दल है, जो भगवान को भी नहीं छोड़ रहा है। यह कृत्य बेहद शर्मनाक है, इसकी जितनी निंदा की जाए, उतनी कम है। श्री श्रीवास्तव ने कहा कि कांग्रेस ने लगातार हिंदू भावनाओं को आहत करने का काम किया है। उसके हर कृत्य में यह झलकता रहा है कि कांग्रेस हिंदुओं से नफरत करती है।

बैज बोले- प्रदेश में आदिवासी सुरक्षित नहीं, अपराधी बेखौफ

आदिवासी समाज के प्रदर्शन के बाद दर्ज हुई एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने सीतापुर में दीपेश उर्फ संदीप की हत्या की घटना पर दुख व्यक्त करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय आदिवासी वर्ग की रक्षा नहीं कर पा रहे। भाजपा सरकार में अपराधी बेखौफ हैं। प्रदेश में आदिवासी सुरक्षित नहीं हैं। सरकार अपराधिक घटनाओ को रोक नहीं पा रही है। राज मिस्त्री के हत्या के आरोपियों के खिलाफ एस्ट्रोसिटी एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया जाये। मामले में लापरवाही बरतने वाले पुलिस अधिकारियो पर भी कार्रवाई की जाये। आदिवासी वर्ग कि सुरक्षा सुनिश्चित की जाये।

उन्होंने कहा, आदिवासी मुख्यमंत्री के राज में ठेकेदार एवं उनके गुर्गो के द्वारा आदिवासी राजमिस्त्री दीपेश उर्फ़ संदीप की पीट-पीट कर जघन्य हत्या कर शव को गड्ढे में दबाकर उस पर पानी की टंकी बना दिया जाता है। ठेकेदार के द्वारा पुलिस से मिली भगत कर मामला को दबाने के लिए मृतक के खिलाफ ही चोरी के मुकदमे दर्ज कराए जाते हैं। राज मिस्त्री के पत्नी अपने पति की गुमशुदगी की शिकायत थाना में दर्ज कराती है, लेकिन पुलिस मामले को गंभीरता से नहीं लेती है।

पूरे मामले में लीपा पोती का प्रयास किया जाता है। पीड़ित के साथ आदिवासी समाज जब थाना का घेराव करती हैं, तब ठेकेदार के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया जाता है। भाजपा सरकार में अपराधियों को संरक्षण दिया जा रहा है।

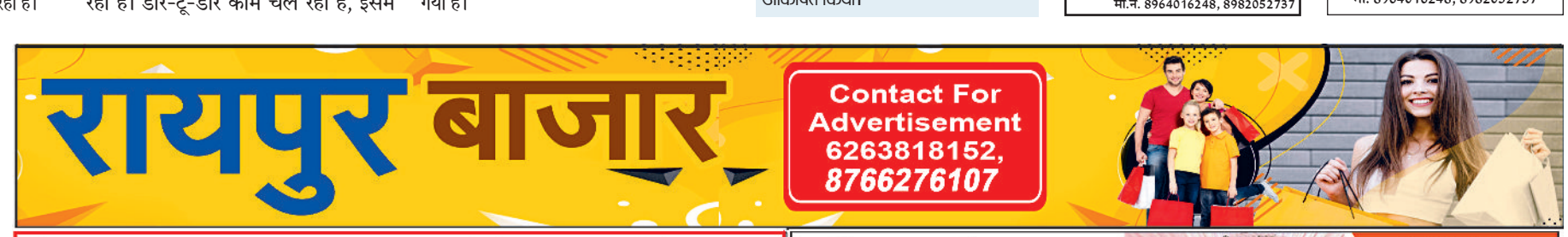

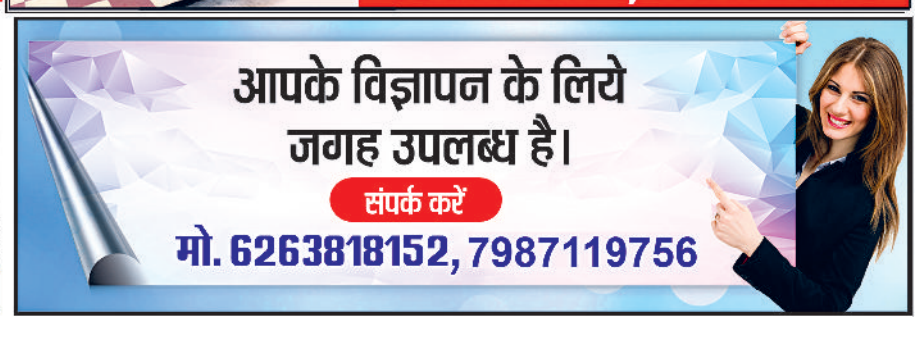

खबर संक्षेप

आज मनाएंगे धूमधाम से नुआखाई पर्व

रायपुर। पश्चिम ओडिशा और छत्तीसगढ़ में 8 सितंबर को नुआखाई पर्व धूमधाम से मनाया जाएगा। इस अवसर पर समाजजनों की बहुप्रतीक्षित मांग को पूरा करते हुए ऋषि पंचमी के दिन मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय द्वारा अवकाश घोषित किया गया, जो कि स्वागतयोग्य है। जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के मुख्य प्रवक्ता, सामाजिक नेता भगवानू नायक ने कहा कि नई फसल से नए अन्न आने की खुशी में इस दिन घर में नवान्न को पूजा-अर्चना कर अपने ईष्ट देवी-देवताओं और पूर्वजों को भोग लगाकर अच्छी फसल के साथ परिवार, समाज, देश प्रदेश की उन्नति की कामना की जाएगी।

एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग

रायपुर। जिला अधिवक्ता संघ के प्रतिनिधिमंडल ने विधि मंत्री अरुण साव से सिविल लाइंस स्थित उनके निवास में शनिवार को जाकर भेंट की और छत्तीसगढ़ में जल्द से जल्द एडवोकेट प्रोटेक्शन एक्ट लागू करने की मांग की। साथ ही राजधानी रायपुर के जिला अधिवक्ता संघ में लगभग 4100 पंजीकृत अधिवक्ताओं को बैठने की समस्या को ध्यान में रखते हुए अतिरिक्त बिल्डिंग निर्माण करने के लिए भी आर्थिक सहयोग मांगा। इस दौरान जिला अधिवक्ता संघ रायपुर के प्रतिनिधिमंडल की मांगों को गंभीरता से सुनते हुए विधि मंत्री श्री साव ने मांगों को पूरा करने के लिए शासन स्तर पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने का आश्वासन दिया। मुलाकात करने वाले जिला संघ के अध्यक्ष हितेंद्र, किशोर ताम्रकार, महिला सचिव गायत्री साहू, सागर पांडे, अंकित फूलझेले, सावित्री नायक शामिल थे।

एससीआर बनाने प्लानिंग पूरी, जल्द ही प्रोजेक्ट पर शुरू होगा काम

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

देश की राजधानी दिल्ली के समीप एनसीआर (नेशनल कैपिटल रीजन) की तर्ज पर छत्तीसगढ़ सरकार भी एससीआर बनाने जा रही है। इस प्रोजेक्ट की प्लानिंग पूरी हो गई है और अब जल्द ही प्रोजेक्ट का काम शुरू किया जाएगा। छत्तीसगढ़ सरकार के एससीआर प्रोजेक्ट यह एक बड़ी प्लानिंग का हिस्सा है। देश में दिल्ली के आसपास नेशनल कैपिटल रीजन बनाया गया था, ताकि बड़े लेवल पर अर्बन प्लानिंग हो सके। उसी तर्ज पर स्टेट कैपिटल रीजन की घोषणा की गई है, इसके लिए काम शुरू हो गया है। अधिकारियों ने बताया कि पहले प्लानिंग का काम होगा, ताकि यहां बड़े स्तर पर लॉन्ग टर्म के लिए काम हो सके। नया रायपुर, रायपुर, दुर्ग-भिलाई को शामिल करके स्टेट कैपिटल रीजन बनाया जाएगा। तीनों शहर की आबादी को मिला दिया जाए, तो यह आबादी 50 लाख से ऊपर है। योजना में शहरीकरण का एक समुचित ढांचा बनेगा। एससीआर को बनाने के लिए प्रस्तावित क्षेत्र का एक मानचित्र तैयार होगा. इसमें शिक्षा, चिकित्सा, स्वास्थ्य, पुरातात्विक, ऐतिहासिक, सांस्कृतिक के अलावा धार्मिक और पर्यटन को ध्यान में रखा जाएगा। जिसके लिए संबंधित विभागों द्वारा एससीआर योजना व डीपीआर बनाने की तैयारी चल रही है।

योजना में शहरीकरण का एक समुचित ढांचा बनेगा

नवा रायपुर के विकास के लिए 206 करोड़ का बजट

नवा रायपुर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट पर काम जारी है। जिसमें अटल नगर में स्थित केंद्रीय विद्यालय, मेडिकल, हब व अन्य कई ऐसे आंतरिक मार्गों को मुख्य सड़क से जोड़ा जाएगा। नवा रायपुर स्मार्ट सिटी कॉर्पोरेशन के लिए 206 करोड़ रुपए के बजट का प्रावधान रखा गया है। नवा रायपुर स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट के तहत कई निर्माण चल रहे हैं। ढोनों शहर स्मार्ट सिटी के रूप में तेजी से विकसित हो रहे हैं।

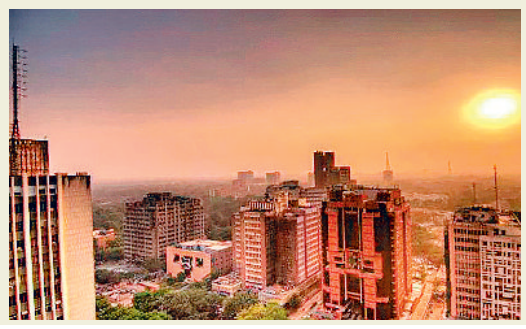

चारों शहरों का तेजी से होगा विकास

एससीआर योजना के तहत चारों शहरों का विकास तेजी से किया जाएगा। लोगों के लिए बेहतर सुविधाओं के साथ-साथ रोजगार के लिए भी अवसर बढ़ेंगे। दिल्ली मेट्रो की तरह इन शहरों में भी लाइट मेट्रो चलाने की योजना है, जिसमें लगभग 4 सौ करोड़ रुपए खर्च होने का अनुमान है। स्मार्ट सिटी योजना के तहत रायपुर, नवा रायपुर में सड़कों, तालाबों का सौंदर्यीकरण किया जा रहा है।

पूर्व सांसद तथा पर्यावरणविद ने इंस्टाग्राम में पोस्ट कर सोनू को छोड़ने अपील की

कैद में रह रहे सोनू को गणेश चतुर्थी के दिन छोड़ने मेनका गांधी की मार्मिक अपील

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वन विभाग की कैद में पिछले नौ वर्षों से रह रहे सोनू हाथी को स्वतंत्र करने पर्यावरण विद तथा पूर्व सांसद मेनका गांधी ने इंस्टग्राम में मार्मिक अपील की है। श्रीमती गांधी ने यह अपील गणेश चतुर्थी के दिन जारी की है।

श्रीमती गांधी ने अपील करते हुए कहा कि इस गणेश चतुर्थी पर आइए दया और करुणा के लिए खड़े होकर भगवान गणेश का सम्मान करें। सोनू 8 साल से बंधा हुआ है- अब उसे आजाद करने का समय आ गया है।

श्रीमती गांधी ने इंस्टाग्राम पर वन विभाग तथा वनमंत्रालय को टैग करते हुए सोनू के लिए अपील करते हुए कहा कि सोनू आठ वर्षों से वन विभाग के कब्जे में आठ वर्षों से दिल दहला देने वाली कैद में रहने को मजबूर है, उसकी आजादी छीन ली गई है, उसकी आत्मा धीरे-धीरे फीकी पड़ रही है। श्रीमती गांधी ने चीफ वाइल्ड लाइफ वार्डन से सोनू को रिहा करने आग्रह करते हुए जंगल में छोड़ने की अपील की है। अपने पोस्ट में मेनका गांधी ने सोनू की आजादी के लिए रास्ता साफ करते हुए उसके पैरों में बंधी जंजीर तोड़ जंगल में नई जिंदगी जीने देने के लिए अपील की है।

खास खबर

12 वर्ष की उम्र से सोनू वन विभाग की कैद में

सोनू हाथी को वन विभाग ने वर्ष 2015 को अचानकमार टाइगर रिजर्व में पकड़ा था। तब सोनू की उम्र महज 12 वर्ष की थी। सोनू पर कई लोगों की जान लेने के आरोप के साथ लोगों के घर तोड़ने के आरोप लगे थे। वन विभाग सोनू द्वारा किसी की जान लेने का स्पष्ट प्रमाण प्रस्तुत नहीं कर पाए थे। सोनू को जब वन विभाग की टीम ने पकड़ा था, तब उसके पैरों में लोहे की मोटी जंजार बांध दी थी। पैरों में घाव होने की वजह से उसका उपचार वन्यजीव चिकित्सक द्वारा कराया गया। तब वन्यजीव चिकित्सक ने सोनू को चार सप्ताह बाद जंगल में छोड़े जाने की स्थिति में आने की बात कही।

बाद में घाव ठीक होने के बाद सोनू के इंसानों के संपर्क में आने की वजह से उसे ऐसी जगह छोड़ने के लिए कहा जहां हाथियों की आवाजाही ज्यादा रहती है, जहां वह अन्य हाथियों के साथ घुल-मिलकर रह सके। तब से लेकर अब तक सोनू वन विभाग के कैद में है। सोनू को जंगल में छोड़ने हाईकोर्ट भी आदेश जारी कर चुका है। बावजूद इसके वन विभाग के अफसर सोनू को अब तक जंगल में नहीं छोड़ पाए हैं।

प्रदेश में नए बिजली कनेक्शन में अब भी लगा रहे पुराने मीटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

प्रदेश में बिजली उपभोक्ताओं के पुराने मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम चल रहा है। अब तक एक लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं के मीटर बदल भी दिए गए हैं। लेकिन नए कनेक्शनों में पुराने मीटर ही लगाए जा रहे हैं। इसको बाद में बदला जाएगा। नए कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लगाने के लिए पॉवर कंपनी व्यवस्था करने में लगी है। आने वाले समय में जल्द ही यह व्यवस्था की जाएगी जिससे नए कनेक्शनों में भी स्मार्ट मीटर ही लग सके।

■ स्मार्ट मीटर लगाने के लिए की जा रही है व्यवस्था

प्रदेश के 55 लाख से ज्यादा बिजली उपभोक्ताओं के मीटरों को बदलकर स्मार्ट मीटर लगाने का काम किया जा रहा है। केंद्र सरकार की योजना के कारण सभी उपभोक्ताओं के मीटर

बदल जा रहे हैं। अभी तो प्रारंभ में सभी कनेक्शनों को पोस्टपैड ही रखा गया है, लेकिन आने वाले समय में सभी कनेक्शन प्रीपैड हो जाएंगे। ऐसा होने पर पहले रीचार्ज कराने पर ही बिजली मिलेगी। रीचार्ज समाप्त होने पर बिजली कट हो जाएगी।

नए कनेक्शन के लिए अभी व्यवस्था नहीं

पुराने मीटरों को बदलने का काम तेजी से पूरे प्रदेश में चल रहा है। रायपुर संभाग का काम टाटा कंपनी और बाकी संभागों का काम जीनस कंपनी को मिला है। दोनों कंपनी स्मार्ट मीटर लगाने का काम कर रही है। लेकिन अभी जो भी उपभोक्ता नए कनेक्शन के लिए आवेदन कर रहे हैं, उनके कनेक्शनों में पॉवर कंपनी द्वारा पुराने मीटर ही लगाए जा रहे हैं। पॉवर कंपनी के अधिकारियों का कहना है कि स्मार्ट मीटर लगाने के लिए सिस्टम में कुछ बदलाव करने की जरूरत है, इस पर काम किया जा रहा है। जैसे ही सिस्टम में बदलाव हो जाएगा, नए कनेक्शनों में भी स्मार्ट मीटर लगाने का काम प्रारंभ हो जाएगा। लेकिन इसके लिए यह भी जरूरी है कि जो कंपनियां स्मार्ट मीटर लगाने का काम कर रही हैं, उनके पास स्मार्ट मीटर का स्टॉक भी होना चाहिए। नए कनेक्शनों में भी जब स्मार्ट मीटर लगेंगे तो इसके लिए उपभोक्ताओं से कोई अतिरिक्त पैसा नहीं लिया जाएगा।स्मार्ट मीटर छह हजार रुपए का है।

VY HOSPITAL
We care for your Health
॥ मंगल भवन,अमंगलहारी ॥

Pre Accredited by NABH

रायपुर का अग्रणी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल!

विश्वस्तरीय सुविधाओं और उकृष्ट देखभाल के साथ

जनरल सर्जरी, लेजर एवं लेप्रोस्कोपिक सर्जरी
हड्डी रोगों की चिकित्सा
श्वसन एवं छाती रोग
हेड इंजुरी चिकित्सा
इंटरनल मेडिसिन एवं इंटेन्सिव क्रिटिकल केयर
मस्तिष्क रोग एवं मस्तिष्क रोग सर्जरी
पेट रोग एवं सर्जरी
कैंसर रोग एवं सर्जरी
हृदय रोग एवं सर्जरी
वेस्कुलर एवं इंटरवेंशनल रेडियोलॉजी
गैस्ट्रो एण्ड गैस्ट्रो सर्जरी
मूत्र रोग सर्जरी
दंत रोग एवं मेक्सिल्लोफेशियल सर्जरी
ज्वाइंट रिप्लेसमेंट एवं स्पाईन सर्जरी
ट्रामा केयर
एक्सरे सोनोग्राफी
किडनी रोग एवं डॉयलिसिस सुविधा
24x7 आपात चिकित्सा
सीटी स्कैन एमआरआई
नाक, कान व गला रोग
चर्म रोग

आयुष्मान भारत, बीजू स्वास्थ्य कल्याण योजना (उड़ीसा) एवं सभी इंश्योरेंस कंपनियों द्वारा केशलेस सुविधा

कैंसर रेडिएशन सुविधा उपलबध
किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा उपलब्ध
अत्याधुनिक लेज़र पद्धति एवं मिनिमल इनवेसिव सर्जरी सुविधा

वी वाय हॉस्पिटल, रायपुर
छत्तीसगढ़ का विश्वसनीय सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल

कमल विहार, रायपुर (छ.ग.)
0771-4622222, 7225024301, 7225024302
हेल्पडेस्क: 0771-4622200, टोल फ्री: 1800-123-4775
www.vyhospital.in info@vyhospital.in vyhraipur vyhospitalrpr @vyhraipur

AdPRAYAS

खबर संक्षेप

भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम ने रच दिया इतिहास

रायपुर। भारतीय सॉफ्ट टेनिस टीम ने इतिहास रच दिया। वर्ल्ड चैंपियनशिप में भारतीय टीम ने पहली बार पदक हासिल किया। भारतीय मिक्स डबल्स टीम जय मीणा वी आद्या तिवारी ने ऑनसोंग दक्षिण कोरिया में संपन्न 17 वर्ल्ड सॉफ्ट टेनिस चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीतकर इतिहास रच दिया है। उनकी इस जीत में टीम के कोच छत्तीसगढ़ सॉफ्ट टेनिस संघ के सचिव प्रमोद ठाकुर की भी महत्वपूर्ण भूमिका रही। सॉफ्ट टेनिस एसिसिएशन के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष सॉफ्ट टेनिस संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनिल पुसदकर ने नया इतिहास गढ़ने के लिए सॉफ्ट टेनिस की टीम इंडिया, जय मीणा, आद्या तिवारी, प्रमोद ठाकुर सहित टीम को बधाई दी।

प्रापर्टी टैक्स की तरह अस्पतालों से सालाना लिया जाए यूजर चार्ज

रायपुर। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन ने कहा है, अस्पतालों से प्रापर्टी टैक्स की तरह यूजर चार्ज सालाना वसूला जाए। इसके साथ की यूजर चार्ज की नई दर युक्तिकरण के बाद लागू की जाएगी। इस मसले पर आईएमए प्रतिनिधि ने डिप्टी सीएम अरुण साव से मुलाकात की। रायपुर ब्रांच के अध्यक्ष डॉ. राकेश गुप्ता ने बताया कि वर्ष 2014 के निर्णय के बाद 2017 में राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना के अनुसार नगरीय निकाय के सभी संस्थानों पर यूजर चार्ज लागू किया गया था। चिकित्सा संस्थानों से लिए जाने वाले यूजर चार्ज की दरें तुलनात्मक रूप से बहुत अधिक रखी गई थीं। अस्पतालों से बायो मेडिकल वेस्ट भेजने के बाद जनरल वेस्ट की मात्रा चिकित्सा संस्थानों में बहुत कम रह जाती है।

सामाजिक एकता- भाईचारे का महापर्व है नुआखाई

रायपुर। ओड़िया समाज का महापर्व नुआखाई 8 सितंबर को है, जिसको लेकर उत्कल गाड़ा समाज की महिलाओं में खुशहाली का माहौल है। उत्कल महिला महामंच की प्रदेश अध्यक्ष नेत्री व सामाजिक कार्यकर्ता सावित्री जगत ने कहा, ओड़िया समाज नुआखाई पर्व हमारे पूर्वजों द्वारा दी पारंपरिक और सांस्कृतिक विरासत है, जिसे सहेजकर रखना हमारी जिम्मेदारी है। नुआखाई उत्सव को लेकर हमारे समाज की महिलाओं में इस वर्ष एक नया उत्साह का संचार हुआ है। हमारी महिलाएं झुग्गियों में जाकर समाज के लोगों का आशीर्वाद लेंगी, उनके साथ नुआखाई उत्सव मनाएंगी। समाज को एक मंच में लाने में हम महिलाएं मुख्य भूमिका निभाएंगी। नुआखाई पर्व हमारी ताकत है, जिसके माध्यम से समाज में एक नया परिवर्तन लाएंगे।

गणेश की विकृत मूर्ति स्थापित की गई तो हिन्दू संगठन, समिति व मूर्तिकार के खिलाफ भी करेंगे एफआईआर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

अगर किसी भी गणेश पंडाल में आराध्य देव की विकृत मूर्ति स्थापित की गई, तो इसे बनाने वाले ही नहीं, बल्कि बनवाने वाली समिति के खिलाफ भी हिन्दू संगठन ने मुहिम तेज करने का निर्णय लिया है। संगठन से जुड़े लोगों ने बताया कि एक दशक पहले भी विकृत मूर्ति बनाने वाले लोगों के खिलाफ जब मामला दर्ज कराया गया, तो उनका तर्क था कि हमने तो सिर्फ बनाया है। इसके लिए जिन लोगों ने हमें आर्डर दिया, उन्हें बचाने का प्रयास करते हुए मूर्तिकारों को लाखों की चपत लगाई जा रही है।

हरिभूमि फॉलोअप

राजधानी में मूर्तिकारों द्वारा आराध्य देव की प्रतिमा के मूल स्वरूप को बिगाड़ने का खेल किया जा रहा था। इसका खुलासा हरिभूमि ने एक सितंबर के अंक में ''आस्था से खिलवाड़, श्री गणेश के सिक्स पैक, दो हाथ धारी, बना दिए राधा-कृष्ण, पहलवान'' शीर्षक से खबर का प्रकाशन किया। इस मामले को लेकर जब हिन्दू धर्मानुरागियों एवं गुरुओं से बात की गई, तो उन्होंने इसका कड़ा विरोध करते हुए धार्मिक भावना को आहत करने की मंशा से ही स्वरूप बिगाड़ने का पक्ष रखा।

ऐसा करने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाने को लेकर उन्होंने पैरवी भी की। हरिभूमि ने जिन-जिन मूर्तिकारों के पास भगवान के बिगाडे गए स्वरूप को निर्मित करने की जानकारी दी गई। हिन्दू संगठन से जुड़े लोगों ने भ्रमण करते हुए उसका जायजा 5 दिनों में लेने के बाद विरोध के लिए सहमति बनाई है।

हरिभूमि की खबर के बाद संगठन से जुड़े लोगों ने जांची खामियां

आस्था से खिलवाड़, श्री गणेश के सिक्स पैक दो हाथ धारी, बना दिए राधा-कृष्ण, पहलवान

इस कारण जांची वस्तुस्थिति

धर्म जागरण प्रशासन समन्वयक पुष्पेन्द्र उपाध्याय ने इस मामलो को लेकर कहा कि हरिभूमि की खबर पर ही एक दशक पहले हिन्दू संगठन से जुड़े लोगों ने आराध्य देव को विकृत स्वरूप देने वाले मूर्तिकारों के खिलाफ अभियान चलाया था। सभी मुर्तियों को विसर्जित कराने के लिए मुहिम चलाई। तब मूर्ति का निर्माण करने वाले कारीगरों ने तर्क दिया था, कि इस तरह से एक पक्ष को निशाने पर लिया जा रहा है। इसे देखते हुए इस बार संगठन ने आराध्य देव का स्वरूप बिगाड़ने वाले लोगों की पहचान पहले से की है। अब वहां से विकृत स्वरूप वाली प्रतिमा को लाने के बाद समितियों के द्वारा स्थापित किया जाएगा, तो ऐसे लोगों के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई जाएगी। इसमें मूर्तिकार और आर्डर देने वाले समिति के लोगों को संयुक्त रूप से आरोपी बनाया जाएगा।

40 प्रतिशत कमीशन पाने के लालच में डॉक्टर ने गंवाई जमा पूंजी, 90 लाख की ठगी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

खम्हारडीह थाना क्षेत्र में जालसाजों के झांसे में आकर एक डॉक्टर अपनी जिंदगी भर की जमा पूंजी गंवा बैठा। ठगी का शिकार डॉक्टर जालसाजों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने थाना पहुंचा है। जालसजों ने डॉक्टर के साथ एक साल के भीतर 90 लाख रुपए ठगी की घटना को अंजाम दिया है।

- गेमिंग कंपनी की आड़ में जालसाजों ने डॉक्टर से संपर्क कर ठगी का शिकार बनाया

पुलिस के मुताबिक राजीव नगर निवासी डॉ. अशित कुमार ने ठगी की शिकायत दर्ज कराई है। अशित ने पुलिस को बताया है कि जालसाजों ने उसके पास इंस्टाग्रम के माध्यम से संपर्क कर ठगी की घटना को अंजाम दिया है। जालासाजों ने डॉक्टर को उनके द्वारा निवेश की गई रकम पर एक साल में 40 प्रतिशत कमीशन देने का झांसा देकर अपने जाल में फंसाया और अलग-अलग स्कीम बताकर उसे वर्चुअल लाभ दिखाकर ठगी की। डॉक्टर ने अपने द्वारा जमा रकम निकालने की कोशिश की, तो पैसे नहीं निकले। तब डॉक्टर को अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली और वह जालसाजों के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज कराने पहुंचा।

डॉक्टर को ऐसे बनाया ठगी का शिकार

डॉक्टर के अनुसार 12 दिसंबर 2022 को उसके पास इंस्टाग्राम में एक लिंक आया। लिंक क्लिक करने पर रॉयल विंग गेमिंग कंपनी में पैसा निवेश करने पर एक साल में 40 प्रतिशत मुनाफा मिलने का झांसा दिया गया। इसके बाद जालसाजों ने डॉक्टर को अपने वाट्सएप ग्रुप में जोड़ लिया और डॉक्टर को कंपनी के बारे में जानकारी देकर पैसा निवेश करने प्रेरित किया।

वर्चुअल लाभ देख डॉक्टर ने पैसे गंवाए

डॉक्टर ने पुलिस में जो शिकायत दर्ज कराई है, उसके मुताबिक जालसाजों ने उसे जिस ग्रुप में जोड़ा था। उस ग्रुप में देश के अलग-अलग राज्यों से और कई लोग जुड़े थे। ग्रुप में जुड़े लोग कंपनी के माध्यम से लाभ मिलने की जानकारी शेयर करते थे। लोगों के पोस्ट देख डॉक्टर ने भी रकम निवेश किया। शुरू में डॉक्टर को मुनाफे की राशि भी दी गई। इसके बाद डॉक्टर जो भी रकम निवेश करता गया। जालसाज डॉक्टर को वर्चुअल माध्यम से लाभ मिलने का चेक दिखाकर एक साल तक रकम निवेश कराते गए। रकम निकालने की कोशिश करने पर जालसाज डॉक्टर को टैक्स तथा अन्य कारण बताकर और पैसे ठगते रहे। एक समय के बाद जालसाजों ने डॉक्टर को अपने ग्रुप से बाहर निकाल दिया, तब डॉक्टर को अपने साथ ठगी होने की जानकारी मिली।

शिविर में छात्र-छात्राओं को मौके पर बनाकर दिया जा रहा मूल निवासी, जाति-आय प्रमाण पत्र

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

मूल निवासी, आय और जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए तहसील कार्यालयों के चक्कर काटने वाले छात्र-छात्राओं को शिविर के माध्यम से राहत पहुंचाई जा रही है। जिला प्रशासन के निर्देश पर शासकीय स्कूलों में शिविर लगाए जा रहे हैं, जिसमें कुछेक घंटे में ही छात्र-छात्राओं को आवेदन के आधार पर मूल निवासी, आय और जाति प्रमाण पत्र बनाकर दिए जा रहे हैं।

- शासकीय स्कूलों में लगाए जा रहे शिविर

3 साल भटक रही छात्रा का बना जाति प्रमाण पत्र : राजधानी रायपुर के दौंदेकला के शासकीय स्कूल में शिविर लगाया गया था। इस शिविर में पहुंची फुलकेश्वरी रात्रे अपनी बेटी नैना का जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए 3 साल से परेशान थी। जाति प्रमाण पत्र बनाने के लिए

आवेदन देने के बाद भी उसकी बेटी का जाति प्रमाण पत्र बन नहीं पा रहा था। इसके लिए कई बार वह तहसील कार्यालय का चक्कर भी काट चुकी है, पर स्कूल में लगे शिविर में पहुंचने के एक घंटे के भीतर ही उसके हाथ में उसकी बेटी का जाति प्रमाण पत्र दे दिया गया। शिविर में फुलकेश्वरी ने नैना का आय और मूल निवास प्रमाण पत्र बनाने के लिए भी आवेदन दिया। ये दोनों प्रमाण पत्र भी तुरंत बनाकर उन्हें दे दिया गया।

शिक्षक के बेटे को भी तुरंत मिला मूल निवास

दौंदेकला के शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में शिविर में शिक्षक उमेश मोहन मार्कंडेय अपने बेटे समीर को लेकर पहुंचे। समीर 12वीं कक्षा का छात्र है। उसका मूल निवास प्रमाण पत्र नहीं बनाथा। आवेदन देने पर शिविर में तत्काल मूल निवास प्रमाण पत्र बनाकर दिया गया। इसके अलावा शिविर में तनुजा निर्मलकर, लोकेश्वरी मंडले, देविका साहू, मिथिलेश सेन, सेविका साहू, नीता धीवर, टाकेश साहू, लिपाक्षी साहू, कंचन यादव विद्यार्थियों को भी आय और जाति मूल निवास प्रमाण पत्र बनाकर दिए गए।

संयुक्त शिक्षक महासंघ 11 के आंदोलन में होगा शामिल, मशाल रैली निकलेगी

रायपुर। कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन द्वारा 11 सितम्बर को डीए एरियर्स सहित कर्मचारियों की अन्य मांगों को लेकर एक दिवसीय मशाल रैली निकाली जायेगी। इस आंदोलन में संयुक्त शिक्षक महासंघ शामिल होगा। दर्जनभर शिक्षक संगठनों की बैठक में यह निर्णय लिया गया है।

- मुख्यमंत्री जल्द करें डीए की घोषणा : द्विवेदी

प्रदेश शिक्षक महासंघ के अध्यक्ष राजनारायण द्विवेदी ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय से मांग की है कि डीए की घोषणा जल्द करें। संयुक्त शिक्षक महासंघ और प्रदेश शिक्षक महासंघ के अध्यक्ष राज नारायण द्विवेदी, संयुक्त शिक्षक संघ के अध्यक्ष केदार जैन, गवर्नमेंट एम्प्लाइज एसोसिएशन वेलफेयर के

अध्यक्ष कृष्ण कुमार नवरंग सर्व शिक्षक संघ के संयोजक विवेक दुबे, शालेय प्रधान पाठक संघ के मनोज साहू ने संयुक्त रुप से बताया कि 11 सितम्बर को कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन के मशाल जुलूस एवं रैली में सभी शिक्षक संगठनों के सदस्य एवं पदाधिकारी शामिल होंगे। विदित हो, कर्मचारी अधिकारी फेडरेशन में प्रदेश ज्यादातर विभागों के कर्मचारी संगठन जुड़े हैं।

गांड़ा महासभा परिवार आज मनाएंगे नुआखाई पर्व

रायपुर। गांड़ा महासभा परिवार ने नुआखाई के पर्व संध्या पर शनिवार को बूढ़ी माता की पूजा-अर्चना की और प्रदेशवासियों नुआखाई पर्व की बधाई दी। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री का आभार जताया। इसी दौरान संयोजक रघुचंद निहाल और अध्यक्ष नारायण बाग ने बताया कि ज्योतिषाचार्य रंजीत जगत ने नुआखाई पूजा-अर्चना एवं प्रसाद ग्रहण का शुभ मुहूर्त निकाला और 8 सितंबर भाद्र शुक्ल पक्ष ऋषि पंचमी स्वाति लगन से तुला चंद्र इंद्र योग शुभ अमृत बेला में दिन सुबह 9 35 से 12.25 एवं दोपहर 1.37 बजे तक महेंद्र बेला में उत्तर एवं पश्चित दिशा मूंह करके नुआ अन्न ग्रहण करेंगे। उन्होंने बताया कि नुआखाई एक खूबसूरत त्योहार है।

पेज 11 के शेष ...

रेत माफिया बेलगाम...

जहां रेत माफिया अपने मजदूरों के माध्यम से नदी में पनडुब्बी मशीनों से रेत को नदी से बाहर निकालने का काम करा रहा था। इसकी खबर मिलते ही शनिवार को तहसील कार्यालय एवं खनिज विभाग की टीम मौके पर पहुंची थी, लेकिन इसकी सूचना पहले ही माफिया को मिल चुकी थी। इस कारण टीम जब वहां पहुंची तो उन्हें नदी में बहते हुए कुछ पीवीसी पाइप ही दिखे, जिसे मजदूरों ने भागने से पहले नदी में बहा दिया था। **दो इंस्पेक्टरों के भरोसे विभाग, वे भी नहीं करते निरीक्षण** : रायपुर जिला खनिज विभाग में पदस्थ दो इंस्पेक्टरों के भरोसे चल रहा है। दोनों इंस्पेक्टरों को जिले का आधा-आधा क्षेत्र बांटा गया है। अभनपुर क्षेत्र इंस्पेक्टर गायकवाड़ को दिया गया है। सूत्रों के अनुसार इंस्पेक्टर को क्षेत्र का निरीक्षण करते बहुत कम देखा गया है। इसके कारण इस क्षेत्र में प्रतिबंध लगने के बाद भी नदियों से धड़ल्ले से रेत की चोरी हो रही है।

डीकेएस का प्लांट...

के मामले में संबंधित कंपनी पर कार्रवाई की तैयारी की जा रही है। जानकारी के अनुसार कोरोना के दौरान डीके अस्पताल अपने प्लांट में तैयार होने वाले ऑक्सीजन से दूसरे अस्पतालों की मदद करता रहा है, मगर प्लांट बंद होने की वजह उसे अपने ही मरीजों के लिए ऑक्सीजन खरीदना पड़ा रहा है। सूत्रों के अनुसार ऑक्सीजन प्लांट जब खराब हुआ तब उसे सुधारने पर करीब 17 लाख रुपए सीजीएमएससी के माध्यम से एजेंसी की दी गई, जिससे प्लांट का आवश्यक रखरखाव किया गया था। इसके बाद करीब 49 लाख रुपए प्लांट में आवश्यक उपकरण जियोलाइट लगाने के लिए दिया गया। इस राशि से उपकरण लगाया तो गया मगर इसकी क्षमता कम होने की वजह से प्लांट में ऑक्सीजन बनाने का काम शुरू नहीं हो पाया है। सूत्रों के अनुसार अस्पताल प्रबंधन द्वारा इसके लिए कई बार पत्र व्यवहार किया गया, मगर काम नहीं बना। पिछले दिनों यह समस्या उच्च अधिकारियों तक पहुंची, तो गंभीरता दिखाते हुए संबंधित कंपनी पर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। **अटका पड़ा है कोरोनाकाल का प्लांट** : डीके अस्पताल परिसर में कोरोना काल के दौरान पीएम केयर फंड से लिक्विड ऑक्सीजन प्लांट भी लगाया गया है। यह प्लांट भी केवल शो पीस बनकर रह गया है, क्योंकि पाइप लाइन बिछाने के बाद अनुमति नहीं मिलने की वजह से इसका उपयोग शुरू नहीं हो पाया है। प्लांट जिस स्थान पर स्थापित है वहां रखरखाव के अभाव में झाड़ियां उग आई है।

दोपहर गरजते रहे...

वजह से उसका प्रभाव भी कमजोर होने लगा है। मानसून की गतिविधि उत्तरी इलाकों में बनी रहेगी, मगर बस्तर में दक्षिणी हिस्से में इसका प्रभाव कम होने लगेगा। शनिवार को दिनभर बादल छाए रहे। दोपहर होने के बाद इसमें गड़गड़ाहट का दौर शुरू हुआ, इस दौरान यह संभावना जताई जा रही थी कि यहां अच्छी बारिश हो सकती है, मगर ऐसा हुआ नहीं। शहर में बादल तो बरसे मगर यह कुछ इलाकों में कुछ देर तक ही सीमित रह गए। अगले दो दिन तक यहां बारिश की गतिविधि बने रहने की संभावना है।

मच्छरों की ब्रीडिंग...

मशीन वार्डों के लिए दी गई है, पर ज्यादातर वार्डों में फागिंग के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। यह बात प्रभावित वार्ड के पार्षद खुलकर कहने लगे हैं। **मशीन बिगड़ी है, नहीं हो रही फागिंग** : कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड के लिए दी गई हाथ चलित फागिंग मशीन महीनों से बिगड़ी पड़ी है। इसे सुधारा नहीं जा रहा है। पार्षद उमा-चंद्रहास निर्मलकर का कहना है, मच्छरों के बीडिंग के सीजन में रोज फागिंग होनी चाहिए। पर ऐसा नहीं हो रहा है। मोटर सायकिल में बैठकर धुंआ करने वाला दो दिन में पूरे वार्ड में घूमता है। बड़ा वार्ड है दो दिन में बाइक से कैसे फागिंग होगी ये बात समझ से परे है? **1 साल से नहीं हुई वार्ड में फागिंग** : मोतीलाल नेहरू वार्ड में 1 साल से फागिंग नहीं हुई। जोन 9 में इसकी शिकायत वार्ड पार्षद सहित रहवासियों ने की। पर इसका कोई रिस्पांस नहीं मिला। पार्षद गोपेश साहू ने बताया कचना, आमासिवनी, सहित बीएसयूपी कालोनी व प्राइवेट कालोनी उनके वार्ड में शामिल है जहां नियमित रूप से फागिंग कराना जरूरी है। पर इस ओर निगम के अधिकारी ध्यान नहीं दे रहे। **दुर्ग की एजेंसी को ठेका, वर्कआर्डर जारी नहीं** : स्वास्थ्य विभाग ने पूरे शहर भर में मच्छरों के उन्मूलन का काम पहली बार निजी कंपनी को ठेके पर दिया है। दुर्ग की शिवांगी एजेंसी 70 वार्ड में एक साथ 100 मेनपावर और मशीन लाकर यह कार्य करेगी। सूत्रों के मुताबिक अभी इसका वर्कआर्डर जारी नहीं हुआ है।

वंदेभारत चलने में...

और चलाने में जितना खर्च हो रहा है, उससे अधिक रेलवे को घाटा होने लगा है। केंद्र सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट होने के कारण नुकसान के बाद भी इसे चलाया जा रहा है। हाईटेक सुविधाओं से लैस इस ट्रेन को अब भी यात्री नहीं मिल रहे हैं। हरिभूमि ने जब वंदे भारत एक्सप्रेस की पड़ताल की तो पता चला त्योहारी सीजन को छोड़कर सामान्य दिनों में ट्रेन की सीटें खाली रहती हैं। नागपुर से बिलासपुर तक सीटें अधिक खाली रहती हैं। इसका मुख्य कारण यह भी है कि वंदे भारत में जाने और आने का किराया एक सामान नहीं है। सीसी कोच में बिलासपुर से नागपुर का किराया जहां 1075 है, तो वहीं नागपुर से बिलासपुर आने के लिए इसी कोच में यात्रियों को 1240 किराया देना पड़ता है।

पुलिस शहीदों को दी श्रद्धांजलि सैनिकों के साहस को किया याद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शनिवार को रेलवे सुरक्षा बल के महानिदेशक मनोज यादव के नेतृत्व में विभिन्न राज्य पुलिस और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों, सीएपीएफ का प्रतिनिधित्व करने वाले पुलिस अधिकारियों का 28 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल लद्दाख में हॉट स्प्रिंग्स मेमोरियल में एकत्र हुआ। इस दौरान एन. प्रकाश रेड्डी, डीआइजी, तेलंगाना पुलिस समूह के उपनेता थे। दीपक कुमार शर्मा, आरआई ने पुलिस प्रतिनिधिमंडल के सदस्य के रूप में छत्तीसगढ़ पुलिस का प्रतिनिधित्व किया। एकजुटता दिखाने के लिए आईटीबीपी, आईटीबीएफ और भारतीय सेना के वीर अधिकारी और जवान जो अत्यधिक चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों के बीच एलएसी पर कड़ी निगरानी रख रहे हैं,

वे भी शहीदों को सलामी देने के लिए पुलिस दल में शामिल हुए। पुलिस प्रतिनिधिमंडल को 86 वर्षीय वयोवृद्ध और जीवित किंवदंती और गश्ती दल के सदस्य सोनम दोरजे से मिलने का सम्मान मिला, जो 21 अक्टूबर 1959 के दौरान चीनी सैनिकों के खिलाफ बहादुरी से खड़े थे, जहां उन्हें पकड़ लिया गया था। उनका लचीलापन और साहस इतिहास का एक प्रेरक अध्याय बना हुआ है।

सकल दिगंबर जैन समाज की बैठक, कई मुद्दों पर हुई चर्चा

रायपुर। डीडीनगर स्थित वासुपूज्य दिगंबर जैन मंदिर में शनिवार को दिगंबर जैन सकल जैन समाज की बैठक हुई। बैठक में जैन धर्म के सब से बड़े पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व पर पड़ने वाली क्षमावाणी दिवस पर सकल दिगंबर जैन समाज के समस्त मंदिरों के सदस्यों द्वारा सामूहिक क्षमावाणी पर्व का आयोजन रायपुर के अनुरूप वृहद पैमाने पर एक साथ किए जाने की रूपरेखा पर चर्चा की गई। साथ ही साथ संत शिरोमणि आचार्य विद्या सागर महामुनिराज के 17 अक्टूबर को शरद पूर्णिमा के दिन में पड़ने 78वें जन्मदिवस के उपलक्ष्य में प्रातः प्रभात फेरी, विभिन्न धार्मिक व्यक्तियों, जनसेवकों को आमंत्रित कर महा आयोजन आयोजित करने की चर्चा भी की गई।

बिजनेस साइट

बैंक ऑफ इंडिया ने मनाया 119वां स्थापना दिवस

रायपुर। बैंक ऑफ इंडिया ने शनिवार को अपना 119वां स्थापना दिवस मनाया। यह आयोजन रायपुर अंचल के आंचलिक कार्यालय और उसकी 64 शाखाओं में बड़े धूमधाम से हुआ। आंचलिक प्रबंधक गायत्री कम्पा, उप आंचलिक प्रबंधक नागेंद्र प्रसाद चौरसिया और अन्य स्टाफ सदस्यों ने एम्स रायपुर और नवनिर्मित बैंक ऑफ इंडिया आंचलिक कार्यालय परिसर में 119 पौधों का रोपण किया। कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के तहत बैंक ने संजीवनी वृद्धाश्रम रायपुर को दैनिक उपयोग की वस्तुएं प्रदान कीं। इसके अतिरिक्त बैंक ने अपने ग्राहकों के लिए निशुल्क

स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया, जिसका लाभ मुख्यतः वरिष्ठ नागरिकों ने उठाया। ग्राहक सम्मेलन के दौरान, बैंक ने अपनी सैलरी प्लस बचत खाता के अंतर्गत निशुल्क दुर्घटना बीमा सुविधा का लाभ एक खाताधारक के परिवार को दिया, जिनकी आकस्मिक मृत्यु दुर्घटना के कारण हो गई थी। बीमा राशि के रूप में 17.82 लाख रुपए का भुगतान किया गया।

रॉयल एनफील्ड की नई बुलेट क्लासिक 350 आन शोरूम में लांच

रायपुर। रॉयल एनफील्ड ने अपनी बहुप्रतीक्षित नई बुलेट क्लासिक 350 का भव्य लॉन्च रायपुर के अधिकृत विक्रेता ऑन रॉयल एनफील्ड पचपेड़ीनाका में किया। इस विशेष अवसर पर ऑन रॉयल एनफील्ड के डायरेक्टर प्रशांत केशरवानी, एरिया मैनेजर शैलेंद्र श्रीवास्तव और जीएम सेल्स आकाश पांडे मौजूद थे। प्रशांत केशरवानी ने लांच के दौरान कहा कि रॉयल एनफील्ड ने हमेशा अपने ग्राहकों को दमदार और विश्वसनीय बाइकिंग अनुभव प्रदान किया है। नई क्लासिक 350 भी उसी दिशा में एक और कदम है, जिसमें डिजाइन, इंजीनियरिंग और प्रदर्शन की विशेषताएं ग्राहकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए तैयार की गई हैं।